शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 168 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 14 जुलाई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

विधि का शासन ही सुशासन की पहली शर्त: सीएम योगी

डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी, भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य अतिथि और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूण के साथ छात्रों को उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि सुशासन की पहली शर्त है विधि का शासन। न्याय संगत व्यवस्था हर व्यक्ति को प्रिय है और न्याय समय पर हो, समयबद्ध तरीके से हो, इसके लिए उस फील्ड के विशेषज्ञ उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। विधि के इस शासन के लिए ही आज भारत जाना जा रहा है। परसेप्शन बदलने में, आमजन की धारणा बदलने के लिए, देश और दुनिया की धारणा बदलने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय एक सही राह पर आगे बढ़ चुका है। यहां के उपाधि प्राप्त करने वाले जितने भी स्नातक, परास्नातक और शोध करने वाले छात्र हैं, वे अपने कार्यों के माध्यम से न सिर्फ विश्वविद्यालय को बल्कि समाज और राष्ट्र को लाभान्वित करके अपने अभिभावकों और अपने गुरुजनों को गौरवान्वित करने का कार्य करेंगे।

मुख्य न्यायधीश की बातों की हर कोई करता है सराहना: सीएम योगी

मुख्य न्यायधीश की बातों की हर कोई करता है सराहना

सीएम योगी ने भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ का स्वागत करते हुए कहा कि भारत के अंदर विधि का शासन हो, अच्छे विधि विशेषज्ञ स्नातक, परास्नातक और शोध की डिग्री लेने के उपरांत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण के अभियान का हिस्सा बन सकें, इसके प्रति यहां के छात्रों के अंतःकरण की जिजीविषा के कारण ही आज यह संयोग देखने को मिल रहा है कि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में भी मुख्य अतिथि के रूप में भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ का आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। इससे पहले भी दो दीक्षांत समारोह में उनका आशीर्वाद यहां के विद्यार्थियों को प्राप्त होता रहा है। इस अवसर पर उनकी उपस्थित हम सबको आह्लादित करती है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय में जाने से पूर्व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल उत्तर प्रदेश वासियों के लिए और न्याय जगत के लिए अविस्मरणीय पल रहा है। आज भी उत्तर प्रदेश का वासी, न्याय जगत में विश्वास करने वाला हर व्यक्ति बड़े ही सकारात्मक भाव से उनकी बातों की सराहना करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले उपाधि धारकों से परिचय पूछने के साथ-साथ वर्तमान में उनके कार्यों के बारे में पूछ रहे थे तो ये देखकर प्रसन्नता हो रही थी कि बहुत सारे उपाधि धारक न्यायिक क्षेत्र की अलग-अलग जगहों पर जाकर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

कानून पढ़ाने की प्रक्रिया में क्षेत्रीय भाषाओं का भी ध्यान रखना चाहिए: चीफ जस्टिस

भारत के मुख्य न्यायधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने इस अवसर पर लॉ की पढ़ाई को क्षेत्रीय भाषा में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करता हूं कि कैसे कानून की पढ़ाई को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। अगर हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझा पा रहे हैं तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए और मेरा सोचता हूं कि आरएम एनएलयू को जरूर हिंदी में एलएलबी कोर्स शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े कानूनों को भी पढ़ाना जाना चाहिए। मान लीजिए अगर कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के पड़ोस के गांव में, गांव से विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय की विधिक सहायता केंद्र में आता है और अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति को कैसे मदद कर पाएगा। इसलिए जमीन संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में भी छात्र को अवगत कराना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। उदाहरण के तौर पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत के संविधान में प्रचलित विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में आखिर लिखा क्या गया है।

300 हेरिटेज मास्ट व 1500 स्मार्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम से दमक उठेगा प्रदेश

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और विशेष रूप से सौर ऊर्जा के जरिए प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। एक तरफ, प्रदेश के विभिन्न शहरों को सोलर सिटीज के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में सौर ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं के प्रति आम लोगों में रुचि विकसित करने के लिए भी विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में, सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश के विभिन्न शहरों के चिह्नित स्थानों को 300 हेरिटेज मास्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम तथा 1500 स्मार्ट सोलर लाइटिंग से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी के साथ ही, प्रदेश के विभिन्न सरकारी कार्यालयों को 2 मेगावाट व 4 मेगावाट के ऑन ग्रिड हाइब्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय अभिकरण (यूपीनेडा) ने कॉन्ट्रैक्टर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करते हुए पात्र आवेदकों से आवेदन मांगे हैं।

कायार्वंटन के बाद 4 महीने में कार्यों को किया जाएगा पूरा

यूपीनेडा द्वारा प्रदेश में हेरिटेज मास्ट व स्मार्ट सोलर लाइटिंग सिस्टम तथा 2 व 4 मेगावाट के ऑन ग्रिड हाइब्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट की सप्लाई, स्थापना, संचालन और मेंटिनेंस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन सभी उपकरणों को प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कायार्वंटन के बाद 4 महीने की समयसीमा निर्धारित की गई है। इन सभी उपकरणों को कॉम्प्रिहेंसिव वॉरेंटी युक्त किया जाएगा। इन उपकरणों की स्थापना व संचालन के बाद चयनित कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को ही 5 वर्षों तक इनके संचालन व मेंटिनेंस संबंधी कार्यों को सुनिश्चित करना होगा।

साइबर अपराध पीड़ितों के लिए कानूनी सहायता की आवश्यकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को साइबर अपराध पीड़ितों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। देश में डिजिटल पहुंच बढ़ने के साथ-साथ साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि यह एजेंसियों, जांचकताओं, नियामकों और कानूनी बिरादरी के लिए चिंता का एक नया क्षेत्र है और इससे निपटने के लिए तकनीकी और मानवीय विशेषज्ञता विकसित करने का आह्वान किया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद (जीसीटीसी) द्वारा आयोजित तीसरे साइबर सुरक्षा सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि निर्दोष लोगों को धोखेबाज तत्वों द्वारा ठगा जा रहा है। उन्होंने देश के सुदूर कोने में भी डेटा सुरक्षा जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े डिजिटल समाजों में से एक के रूप में भारत की प्रमुख स्थिति पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि भारत में 820 मिलियन से अधिक सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं और इसने 500 मिलियन से अधिक व्यक्तियों के लिए बैंकिंग समावेशन हासिल किया है। उन्होंने इस तथ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि वर्ष 2023 तक वैश्विक डिजिटल लेन-देन में देश की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत होगी।

पूर्व सीएम और उनके ओएसडी के बीच बातचीत का टेप वायरल

जयपुर

राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन के दौरान सचिन पायलट खेमे की बगावत के समय जुलाई 2020 में उठे फोन टैपिंग विवाद की आंच एक बार फिर सुलग गई है। एक ऑडियो सामने आया है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह ऑडियो पूर्व सीएम अशोक गहलोत और उनके पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा के बीच हुई बातचीत का है। इसमें दोनों उस लैपटॉप और मोबाइल को डैमेज करने की बात कर रहे हैं, जिससे फोन टैपिंग की रिकॉर्डिंग मीडिया को भेजी गई। ऑडियो में गहलोत लोकेश शर्मा से उस लैपटॉप के बारे में पूछ रहे हैं, जिससे मीडिया को खरीद-फरोख्त की साजिश वाले ऑडियो भेजे थे। गहलोत और लोकेश बातचीत में ऑडियो का नाम नहीं ले रहे है। गहलोत इस बातचीत में कह रहे हैं कि मैंने जो दिया था, वही यूज किया न। साथ ही जिस मोबाइल और लैपटॉप से मीडिया को विधायकों की खरीद फरोख्त से जुड़ा ऑडियो भेजा गया, उसके बारे में बातचीत है। गहलोत ने पूछा- जिससे मीडिया को भेजा उसका क्या किया, जवाब में लोकेश ने कहा कि वो मोबाइल डैमेज कर दिया।

ब्रह्मकुमारीज जैसी संस्था हर क्षेत्र में एक जन आंदोलन तैयार कर रही है : त्रिवेन्द्र

ऋषिकेश

आध्यात्मिक सशक्तिकरण के ऋषिकेश सेंटर में शनिवार को स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजयोगिनी बाल ब्रह्मचारिणी बीके सुदेश दीदी और हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत रावत ने कहा कि वे कई बार इस संस्था के कार्यक्रमों में विभिन्न स्थानों पर उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे नशामुक्ति के लिए अभियान हो, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रयास हो या फिर जन-जन अभियान जैसे मिशन हों, एक संस्था कैसे हर क्षेत्र में एक जन आंदोलन तैयार कर सकती है यह ब्रह्मकुमारीज ने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि संस्था के हेड ऑफिस माउंट आबू में भी पांच दिवसीय शिविर में होकर आये हैं। सुख, शांति, सुरक्षा के लिए यह संस्था वर्षों से कार्य कर रही है। इस अवसर पर राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि आज हर व्यक्ति तन की तंदुरुस्ती और मन की शांति चाहता है, लेकिन अपनी बुद्धिहीनता के कारण पापाचार, भ्रष्टाचार और हिंसा में लिप्त है।

भाजपा का पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन 16 को

चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी 16 जुलाई को महेंद्रगढ़ के पाली में ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन में पहुंच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भव्य स्वागत की तैयारी में जुट गई है। पार्टी के आला नेताओं की शनिवार को पाली की सेंट्रल युनीवर्सिटी के सभागार में पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन को लेकर एक बड़ी बैठक हुई। खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी इस बैठक में मौजूद रहे और अब तक हुई तैयारियों का जायजा लिया । बैठक में

सभी सांसद, विधायक, प्रत्याशी, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी तथा जिला अध्यक्ष, महामंत्री आदि शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन भव्य होगा और महेंद्रगढ़ की धरती पर शाह का भव्य स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री मंत्री अमित शाह 16 जुलाई को सुबह 11 बजे महेंद्रगढ़ के पाली स्थित सेंट्रल यूनीवर्सिटी में पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सीएम ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार में सरदार पटेल के बाद ऐसा गृहमंत्री मिला है जिसने आजादी के समय देश की एकता में जो कमी रह गई थी उसे पूरा करने का कार्य किया है।

सपा की पीडीए नीति आम जनता को हक दिलाने और अत्याचार से बचाने वाली : अखिलेश यादव

लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) की पीडीए (पिछड़ा दलित, अल्पसंख्यक) नीति आम जनता को उसका हक दिलवाने वाली, जनता का कल्याण करने वाली, शोषण-उत्पीड़न से आम जनता की रक्षा करने वाली, पिछड़े-दलितों-अल्पसंख्यकों -आदिवासियों-आधी आबादी और अगड़ों में भी उत्पीड़ितों को प्रभुत्ववादियों के अत्याचार से बचाने वाली हैं। यह बातें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कही। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए-किसान, मजदूर, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा, दुकानदारों और बाकी सबका भी ख्याल रखने वाली समाज के हर वर्ग और तबके को जोड़ने वाली सामुदायिक राजनीति का नया युग शुरू करने वाली सामाजिक सौहार्द, एकता, भाईचारे को एक सूत्र करने वाली सकारात्मक राजनीति का नया इतिहास लिखने वाली नीति है। इसके विपरीत भाजपा की नीति आम जनता का शोषण करने वाली है। समाज को तोड़ने वाली नकारात्मक राजनीति के पास पीडीए की पाजिटिव पॉलटिक्स का कोई जवाब नहीं है। इसीलिए भाजपा के लोगों में हड़बड़ाहट है। अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडीए ही भाजपा के अंदर-बाहर भगदड़ का कारण बन रहा है। भाजपा के तथाकथित सहयोगी भी या तो किसी बहाने से भाजपा से बाहर आना चाहते हैं या वैचारिक दूरी दिखाना चाहते हैं। कोई चिट्ठी को माध्यम बना रहा है तो कोई अपनी नाराजगी भरे बयान से। भाजपाई खेमे की चिंता सिर्फ. यूपी के 2027 के चुनाव हारने की ही नहीं है, बल्कि भविष्य का हर चुनाव हारने की है। उन्होंने कहा कि पीडीए एक नव जागरण है।

इंटरनेशनल स्तर के स्टेडियम वाल यूपी का चौथा शहर होगा गोरखपुर

समृद्ध होगी हिरवानी की परंपरा,गोरखपुर में बनेगा वैश्विक स्तर के क्रिकेट स्टेडियम, सीएम योगी कर चुके हैं निर्माण की घोषणा

लखनऊ

नरेंद्र हिरवानी और गोरखपुर का क्रिकेट एक दूसरे के पर्याय हैं। देश के महान लेग स्पिनर्स में शुमार हिरवानी अपने खेल के बूते 1988 में क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी रह चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिरवानी की परंपरा को और समृद्ध करने जा रहे हैं। इसका जरिया बनेगा गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्र में बनने वाला वैश्विक स्तर का क्रिकेट स्टेडियम। इसके निर्माण की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत छह जुलाई को गोरखपुर दौरे के दौरान थी। मिली जानकारी के अनुसार करीब 100 एकड़ में बनने वाले इस स्टेडियम की जमीन के लिए सड़क, हवाई यातायात की कनेक्टिविटी को ध्यान रखा जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो कानपुर, लखनऊ, वाराणसी के बाद उत्तर प्रदेश का यह चौथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम होगा। इसका लाभ न केवल गोरखपुर, बल्कि पूर्वांचल, सटे हुए बिहार और मित्र राष्ट्र नेपाल की खेल प्रतिभाओं को भी मिलेगा। बेहतर प्रशिक्षण के जरिए क्रिकेट खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूर्वांचल का नाम रोशन करेंगे। स्पोर्ट्स के कारोबार, स्पोर्ट्स टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी होगा लाभ: यही नहीं इससे स्पोर्ट्स के कारोबार में भी बूम आएगा।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी लाभ होगा। मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खेलों से खासा लगाव है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों से वह न केवल मिलते हैं बल्कि उनको सम्मानित भी करते हैं।

सीएम सख्त : डग्गामार और बिना परमिट के चलती मिलीं बसें तो नपेंगे

लखनऊ

उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। वहीं मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं।

डग्गामार वाहनों को सड़क पर आने से पहले ही रोकें

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं।

तिब्बती हितों की पैरवी करने वाले एक्ट पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

धर्मशाला। 'तिब्बत समाधान अधिनियम' पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हस्ताक्षर कर चीन को बड़ा झटका दिया है। तिब्बत और तिब्बतियों के हितों की पैरवी करने वाला यह अधिनियम अब कानून बन गया है जिससे चीन तिब्बत विवाद को सुलझाने में यह अहम कड़ी बनेगा। प्रधानमंत्री पेंपा सेरिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति सहित अमेरिकी संसद के दोनों सदनों का आभार जताया है।

नारनौल में पहली बार निजी स्काईडाइविंग विमान को हरी झंडी, दिखाने के बाद बोले केंद्रीय मंत्री

पहली बार भारत में निजी स्काइडाइविंग सुविधा शुरू होना महत्वपूर्ण: शेखावत

चंडीगढ़

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पहली बार भारत में निजी स्काइडाइविंग सुविधा शुरू होना महत्वपूर्ण है। दुनिया के लिए आज का दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व स्काईडाइविंग दिवस आज से शुरू हो रहा है। यह नई शुरूआत है। शेखावत ने स्वयं टैन्डम स्काईडाइविंग भी की।

शनिवार को वर्ल्ड स्काईडाइविंग डे पर हरियाणा के नारनौल में स्काईडाइविंग विमान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद शेखावत ने कहा, भारत का पर्यटन मंत्री होने के नाते, यह मेरी जिम्मेदारी है कि हर किसी के लिए सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे इस खेल के साथ अधिक से अधिक लोग जुड़ सकें और सुरक्षा मानकों के साथ इसका रोमांच उठा सकें।

केंद्रीय मंत्री ने स्काईहाई में एक टैन्डम स्काईडाइव का आनंद भी लिया। उन्होंने स्काईडाइव का अनुभव साझा करते हुए कहा, एक अनुभव बेहद रोमांचक रहा।

मेजा थाने में आयोजित समाधान दिवस में एसडीएम व एसीपी ने सुनी समस्याएं

22 शिकायतो में सात का मौके पर निस्तारण

अखंड भारत संदेश

मेजा। शनिवार को नवागंतुक एसडीएम मेजा दशरथ कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में दूर दराज से आए कुल 22 फरियादियों ने पुलिस एवं राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें दिया जिसमें सात शिकायती पार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि एसडीएम मेजा दशरथ कुमार व एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता ने समाधान दिवस में आए हुए फरियादियों की संयुक्त रूप से शिकायतें सुनीं। इस दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग से संबंधित पूर्व की लंबित शिकायतों का निस्तारण समय से न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए एसीपी रवि कुमार गुप्ता ने जहां संबंधितों को फटकर लगाई वहीं नवागंतुक एसडीएम दशरथ कुमार के तेवर भी तल्ख दिखे। उन्होंने राजस्व विभाग की पेंडेंसी का त्वरित निस्तारण के लिए पुलिस व राजस्व की टीम बनाकर मौके पर जाने एवं समस्याओं का निस्तारण की हिदायत दिया। गौरतलब है कि समाधान दिवस में उस समय हड़कंप मच गया जब मेजा बार के कई अधिवक्ताओं ने मेजा थाना क्षेत्र के परवा गांव निवासी राजू सोनकर नामक कथित व्यक्ति पर आरोप लगाते हुए एसीपी मेजा को शिकायती पत्र दिया। शिकायती पत्र में अधिवक्ताओं का आरोप है कि उक्त व्यक्ति वकील की ड्रेस में थाना के सामने अपना अड्डा बना रखा है और थाने में अपनी समस्याएं लेकर आने वाली भोली भाली जनता को बरगला कर उन्हे स्वयं को अधिवक्ता बताकर उनसे मेजा पुलिस के नाम मोटी रकम वसूल करना उसका आए दिन का पेशा बन चुका है। इतना ही नहीं अधिवक्ताओं ने शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया है इस बाबत जब कोई अधिवक्ता शिकायत करने की बात कहते हैं तो उक्त फर्जी वकील द्वारा उन्हें जान से मरने एवं एससीएसटी के मुकदमें में फसाने की धमकी जाति है। हालाकि वकीलों की इस शिकायत को एसीपी ने गंभीरता से लिया है कार्यवाही का आश्वासन भी दिया है। इस मौके पर कोतवाली मेजा प्रभारी राजेश उपाध्याय, उप निरीक्षक अरविन्द सोनकर, बृजेश यादव, नायब तहसीलदार राजेंद्र सिंह के अलावा राजस्व व पुलिस विभाग संबंधित अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राजस्व कर्मचारियों की कमी से मांडा थाने का समाधान दिवस बनी औपचारिकता

अखण्ड भारत संदेश

मांडा। यमुनापार क्षेत्र अंतर्गत मांडा थाने का समाधान दिवस तहसील के राजस्व कर्मचारियों की लापरवाही और उपेक्षा ले डूबी। हर बार लेखपालों और राजस्व कर्मचारियों की कमी के चलते मामलों का समाधान होने के बजाय टीम गठित कर रजिस्टर के हवाले कर दिया जाता है। मात्र छ लेखपाल और एक नायब तहसीलदार मौजूद रहे। आये राजस्व संबंधित बारह प्रार्थना पत्रों में किसी का भी निस्तारण नहीं हो सका। शनिवार को मांडा थाने पर आयोजित समाधान दिवस में मेजा व कोरांव मिलाकर कुल 22 लेखपालों के सापेक्ष मात्र छह लेखपाल और एक नायब तहसीलदार मांडा आये थे। दोनों तहसीलों के तमाम गाँव मांडा थाने के क्षेत्र में आते हैं, लेकिन दोनों तहसीलों से एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तक मांडा के समाधान दिवस में नहीं आते और न ही इस बार आये। एसीपी मेजा भी मांडा के समाधान दिवस में आने के बजाय मेजा थाने को अधिक वरीयता देते हैं। ज्यादातर अधिकारी तहसीलों

ऊबकर कर समाधान दिवस में जाना ही नहीं चाहते फरियादी, एक दर्जन शिकायतों में किसी का भी नहीं हुआ निस्तारण

के बगल थाने पर बैठकर समाधान दिवस की खानापूर्ति करके प्रयागराज लौट जाते हैं। मांडा में राजस्व अधिकारी न आने से अध्यक्षता इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह ने की। कुल एक दर्जन प्रार्थना पत्र आये, लेकिन उन गांवों के लेखपाल न होने से सभी मामले अनिस्तारित रह गये। जब तक मांडा के समाधान दिवस का औचक निरीक्षण प्रयागराज या लखनऊ की टीम करके दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती, तब तक मांडा का समाधान दिवस पूरी तरह औपचारिकता बना रहेगा। राजस्व संबंधित तमाम पुराने समाधान दिवस के मामले अभी जांच हेतु अधर में हैं। जो लेखपाल आते भी हैं, वे चाय पान की दुकानों पर कुछ खास फरियादियों में ही जुटे रहते हैं।

कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी महासभा के सम्मेलन को सफल बनाने की अपील

नैनी। नैनी क्षेत्र के काटनमिल तिराहा के पास नयन कुमार कुशवाहा के आवास पर कुशवाहा मौर्य, शाक्य, सैनी समाज के प्रबुध लोगों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें 14 जुलाई दिन रविवार को प्रातः 11बजे मोहन गार्डे न मेजा रोड में नवनिर्वाचित सांसदों के स्वागत समारोह का कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनायें। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार हजरीलाल कुशवाहा और संचालन फतेह बहादुर कुशवाहा ने किया। बैठक में उपाध्यक्ष नयन कुमार कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, इंजीनियर विजय कुशवाहा, विनोद मौर्य, राजेंद्र कुशवाहा, ऋतिक कुशवाहा अशोक कुशवाहा, नरेंद्र कुशवाहा, अभिनीत कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा सुशील कुशवाहा आदि लोग शामिल रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत

अखंड भारत संदेश

पीपीजीसीएल के समीप शनिवार की भोर में हुआ हादसा

बारा/शंकरगढ़। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (पीपीजीसीएल) के पास हुआ। हादसे के बाद राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी शंकरगढ़ ले जाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। दोनों के शवों को चीरघर भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक घूरपुर थाना क्षेत्र के रेरा के रहने वाले अमरनाथ उर्फ दयाशंकर (40) पुत्र गंगा प्रसाद और मोहन (22) पुत्र राजाराम उर्फ बाबूराम (निवासी बेलतारा, कौंधियारा) शनिवार की सुबह पीपीजीसीएल के नजदीक वाहन के इंतजार में खड़े थे। इसी दरम्यान किसी वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के पास लगभग पांच बजे किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने के बाद उधर से गुजरने वाले राहगीरों ने इसकी जानकारी मुकामी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए घायलों को सीएचसी शंकरगढ़ पहुंचाया, लेकिन दोनों की जान नहीं बची। पीपीजीसीएल चौकी इंचार्ज अंकुश कुमार ने बताया कि उनके पास सुबह सवा पांच बजे घटना की सूचना आई थी। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। शवों को चीरघर भेज दिया गया है।एसओ ओम प्रकाश ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्राथमिक सूचना के मुताबिक दोनों किसी कार्यक्रम में जाने के लिये किसी गाड़ी का इंतजार कर रहे थे, हालांकि यह पुख्ता नहीं है। मामले की जांच जारी है।

आइपीएस अभिजीत कुमार करछना थाना समाधान दिवस पर की जनसुनवाई

करछना। जिले के तेजतर्रार आईपीएस में शुमार अऊढ यमुनानगर क्ढर अभिजीत कुमार ने शनिवार को करछना में थाना दिवस पर कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे जिले से बड़े अधिकारी को देख फरियादियों ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी समस्त पटल पर रखा अधिकांश शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित बिवादो से संबंधित आई जिसे विवाद को जल्द निस्तारण कराए जाने को लेकर संबंधित राजस्व विभाग के जिम्मेदार तहसीलदार को निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल न्याय दिलाने का

निर्देश दिया, इसी तरह अन्य कयी फरियादियों ने विवादित मामले को गंभीरता से उठाया जिसे एक सप्ताह के भीतर निस्तारण किए जाने का आश्वासन दिया, थाना दिवस का नेतृत्व,और एसीपी करछना, थाना प्रभारी कृष्ण मोहन सिंह तहसीलदार करछना ,की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस किया गया। काफी महीनो बाद कोई आईपीएस अधिकारी थाना करछना में जनसुनवाई में बैठा। फरियादियों में अच्छा संकेत गया है कि महोदय पहले एक अच्छे इंसान हैं उसके बाद ही अधिकारी है। बहुत कुशल सुभाव के दौरान सभी फरियादियों की बातो को सुने ।और हर संभव प्रयास कर समस्या का निस्तारण किया जाएगा।ज्यादातर मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे उनको भी जल्द से जल्द निस्तारण करने के लिए मौजूद तहसीलदार करछना को निर्देशित किया गया।

फांसी के फंदे पर लटक कर युवक ने दे दी जान

अखंड भारत संदेश

उतरांव। जनपद प्रयागराज के उतरांव क्षेत्र के टिकरी छेड़ी के तालाब गांव के एक युवक ने फांसी के फंदे पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। युवक किस कारण फांसी लगाया यह स्पष्ट नहीं हो सका युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। छेड़ी के तालाब टिकरी थाना उतरांव निवासी विजय कुमार भारतीया उर्फ वीरू उम्र 25 वर्ष जो दिल्ली मेट्रो में प्राइवेट जॉब करता था। शनिवार दोपहर वह अपने पुराने घर पर आया और घर पर कोई नहीं था। उसका पूरा परिवार सलेमपुर में दूसरे घर में रहते हैं। विजय ने रस्सी का फंदा बनाकर कमरे में लगे पंखे पर लटक गया। वहीं पड़ोस के लोगों ने काफी देर तक जब बाहर नहीं निकला तो खिड़की से देखा तो होश उड़ गए। फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची उतरांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। युवक के दो बेटे एक 5 वर्ष का दूसरा 2 वर्ष का है। पत्नी ने बताया छोटे बेटे 8 तारीख मंगलवार को बर्थडे था । बर्थडे मनाने के बाद विजय की पत्नी अपने मायके प्रतापगढ़ डेरवा चली गई थी। फांसी की सूचना जैसे ही मिली पत्नी रोते बिलखते पहुंची। युवक फांसी क्यों लगाया यह कारण स्पष्ट नहीं हो सका। फिर हाल युवक की मौत से पत्नी गिरिजा देवी,पिता रामा भारतीया, माता सुमित्रा, समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पानी प्रकृति का अमूल्य तोहफा है इसे भविष्य के लिए बचाएं : शिवाकांत

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को दिया गया किट बैग

करछना। ब्लॉक सभागार करछना में चल रहे जल जीवन मिशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शनिवार को विकासखंड करछना के 80 ग्राम पंचायत से आए शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को दो दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम संपन्न हुआ उपरांत सभी शिक्षकों को किट बैग दिया गया और प्रशिक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई बताया गया कि जल आपूर्ति योजना की तैयारी चल रही है गांव के भीतर जल आपूर्ति योजनाओं को योजना बनाना उसकी रूपरेखा बनाना क्रियान्वयन प्रचलन और रखरखाव करना और मौसमी आपूर्ति का समय तय करना तथा दूषित जल के पुनर प्रयोग जल उपाय आदि सहित और संरचना के पर्यवेक्षक करना सामुदायिक अंशदान के लिए और प्रचलन एवं रखरखाव सेवा शुल्क जमा करने के लिए तमाम सारी जानकारियां दी गई मानव जीवन? को खुशहाल जीवन व्यतीत करने के लिए जल संसाधनों को संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है, यूनोप्स के जिला सलाहकार शिवाकांत द्विवेदी ने दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान उक्त बातें विस्तार पूर्वक बताई इस मौके पर धीरेंद्र द्विवेदी राकेश सिंह दिवाकर पटेल प्रदीप पटेल संगीता सतेन्द्र सिंह एवं शिक्षकों में निहाल अहमद संतोष चौबे नीता मेहरोत्रा वंदना सोनी विदिशा आशा सिंह सूर्य कांत सिंह, यज्ञदत्त त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

चकडैम टूटने से किसान परेशान, अतिशीघ्र बनवाने की मांग

चकडैम बनने से छोटी- छोटी नदियों में बरसात का पानी होता था इकट्ठा, किसान खेत की करते थे सिंचाई

अखण्ड भारत संदेश।

मांडा। यमुनापार क्षेत्र अंतर्गत नहरों से वंचित खेतों की सिंचाई के लिए प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार छोटी छोटी नदियों में चकडैम पुलिया का निमार्ण कार्य में कराया गया था। जिससे किसान अपने खेतों की सिंचाई उसी चकडैम में इकठ्ठा बरसात का पानी से किया करता था और उसी पुलिया से आया - जाया करते थे जो विगत कई दिनों से चकडैम टूट गया है जिससे बरसात का पानी ठहरने के बजाय बड़ी नदियों से होकर गंगा में समाहित हो जाती है। किसान खेत की सिंचाई के लिए बरसात का पानी के लिए तरसना पड़ता है। गौरतलब हो कि विकास खण्ड मांडा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बघौरा खवासान में जंगाली व मखोली मौर्या के खेत के मध्य में बरसात का पानी रोकने के लिए चकडैम का निमार्ण कार्य लगभग आठ वर्ष पूर्व करवाया गया था जहां कि विगत वर्षों से चकडैम टूट गया है जिससे किसान बरसात के समय उसी चकडैम पुलिया से अपने खेतों पर आया- जाया करते है। चकडैम पुलिया टूटने से किसानों को खेत की सिंचाई की बात तो दूर बरसात में किसान को अपने खेतों पर आना जाना दुश्वार हो गया है। किसान बरसात में खरीफ की

फसल भी अपने खेतों से अन्न के लिए नसीब नहीं होता है। बघौरा खवासान के जंगली, मखोली मौर्य ,अजित मौर्या , अंकुश मौर्या , शिवशंकर बिंद , संदीप बिंद आदि किसानों ने उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अतिशीघ्र चकडैम पुलिया निर्माण करवाने की मांग की हैं। चकडैम पुलिया से किसान के बच्चों को आने जाने पर मौत का कुआ बनकर तैयार हो गया है। उक्त टूटी चकडैम पुलिया से आने जाने वाले किसानों के बच्चों के साथ बरसात के मौसम में फिसल कर गिरने पर मौत को दावत दे रही है। उक्त जानकारी ग्राम प्रधान बघौरा प्रदीप कन्नौजिया ने बताया कि चकडैम को अतिशीघ्र निर्माण कार्य नहीं कराया गया तो बड़ी घटना की चुनौती देगी।

न्यूज झरोखा

स्मॉर्ट फोन मिलने पर खिल उठे छात्रों के चेहरे

मांडा। यमुनापार क्षेत्र अंतर्गत मान्यवर कांशी राम महा विद्यालय पनासा करछना प्रयागराज मे टेबलेट स्मॉर्ट फोन वितरण समारोह आयोजन सम्पन्न। गौरतलब हो कि शुक्रवार को परा स्नातक उत्तीर्ण छात्र- छात्राओं को सरकार द्वारा युवा सशक्तिकरण डिजिटल तकनीक की ओर से आकर्षित करने की एक अच्छी पहल की शुरूआत हुई । मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय के प्रबन्धक रणजीत सोनकर के कर कमलों द्वारा स्मॉर्ट फोन वितरण किया गया। वही स्मॉर्ट फोन पाकर छात्र- छात्राओं में खुशी के साथ के चेहरे के खिल उठे। वितरण समारोह में उपस्थित अभिभावकों ने प्रबंधक के कार्यो को सराहना की।कार्यक्रम में सुधीर यादव प्रधान बबुरा, जय सिंह, रमेश यादव, मुनीम सोनकर, आनंद, संतोष यादव, संदीप पुष्कर, मनोज कुमार सोनकर ,लालमणि आदि मौजूद रहें।

रेलवे स्टेशन पर पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती का भव्य स्वागत

शंकरगढ़। काशी से रायपुर जा रहे पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज का शंकरगढ़ रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया गया। पुरी के शंकराचार्य के ट्रेन से गुजरने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के तमाम अनुयायी फूल-माला लेकर रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए और जैसे ही ट्रेन आई, ट्रेन में जाकर शंकराचार्य का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में प्रबंधक संतोष त्रिपाठी,व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद केसरवानी, मंडल उपाध्यक्ष सोमनाथ वर्मा, उपाध्यक्ष रोहित केसरवानी, व्यापार मंडल मंत्री पंकज गुप्ता, जिला कार्य कारिणी सदस्य मसुरियादीन वर्मा, मीडिया प्रभारी राम जतन बंसल, मंत्री मुन्ना मिश्र, दीपक केसरवानी, राजेश गुप्ता, महामंत्री करुणापति, सत्य रंजन, ज्ञानेंद्र मिश्र, कमलेश, अशोक कुमार त्रिपाठी, हेमराज मिश्र, कुलदीप, विनय त्रिपाठी, प्रेमचंद्र आदि शामिल रहे।

मानसिक रुप से बीमार युवक हुआ लापता

मांडा। क्षेत्र के मोनई चतुर्भुजपुर गांव के एक युवक मानसिक बिमारी के चलते बीस दिनों से लापता है युवक के परिजनों ने काफी खोजने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। वहीं परिजनों ने स्थानीय पुलिस थाना में गुमशुदगी की तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। मांडा थाना क्षेत्र के मोनाई चतुर्भुजपुर गांव निवासी रमाशंकर यादव पुत्र स्व. जीत नारायण ने स्थानीय पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर देकर बताया कि उनके भाई रमाकांत यादव मानसिक रूप से काफी बीमार चल रहे थे। बीते 23 जून की सुबह 5 बजे घर से शौच के लगे। लेकिन वापस घर नहीं पहुचा। परिजनों ने युवक को काफी खोजबीन की लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला। पीड़ित की उम्र पर पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। पीड़ित ने बताया कि लापता भाई पीले रंग की टी-शर्ट व काले लोवर व पैर में चप्पल पहन रखा है।

जीजीआईसी शंकरगढ़ में चलेंगी इंग्लिश मीडिएम की कक्षाएं

शासन ने इंटरमीडिएट तक अंग्रेजी माध्यम से कक्षा संचालन की दी अनुमति

बारा। यमुनापार के प्रतिष्ठित सरकारी इंटर कालेज जीजीआईसी शंकरगढ़ में अब अंग्रेजी माध्यम से कक्षाएं चलाई जाएंगी। शासन ने इंटरमीडिएट तक के लिए इंग्लिश मीडिएम से कक्षा संचालन की अनुमति प्रदान की है। जीजीआईसी शंकरगढ़ में मौजूदा समय में कक्षा एक से इंटरमीडिएट तक की कक्षाओं का संचालन किया जाता है। कालेज में कुल 550 बच्चे अध्ययनरत हैं। प्रिंसिपल सविता निर्मल ने बताया कि विभाग द्वारा राजकीय बालिका इंटर कालेज, शंकरगढ़ को इंग्लिश मीडिएम के कक्षा संचालन की अनुमति प्रदान की गई है। प्रिंसिपल ने बताया कि शुरूआत में कक्षा छह से अंग्रेजी माध्यम से कक्षा का संचालन किया जाएगा, इसके बाद जैसे-जैसे संसाधन-शिक्षक उपलब्ध होंगे, आगे की क्लास में भी अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं का संचालन शुरू किया जाएगा। कक्षा छह से इंटर तक अंग्रेजी माध्यम से कक्षाओं का संचालन धीरे-धीरे शुरू किया जाएगा। इसके अलावा हिंदी मीडिएम की कक्षाएं पूर्व की भांति चलती रहेंगी। बताते चलें कि शंकरगढ़ कस्बे के रामभवन चौराहा के समीप स्थित जीजीआईसी लगभग पांच बीघे के दायरे में फैला हुआ है। इसके पास प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, वाचनालय के साथ कांफ्रेंस हाल भी है। इसके अलावा कई नवीन कक्षा भवन का निर्माण किया जा रहा है। नये शैक्षिक सत्र में सभी कक्षाओं में बालिकाओं का प्रवेश लिया जा रहा है।

शंकरगढ़ में मंदिर और मकान से लाखों के जेवरात चोरी

बारा। यमुनानगर के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में चोरों ने एक मंदिर और एक मकान से लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह दोनों घटनाएं शुक्रवार रात की हैं। पहली घटना नारीबारी क्षेत्र के हिनौती चंदेल की है तो दूसरी नगर पंचायत शंकरगढ़ के महिला अस्पताल में स्थित हनुमान मंदिर की है। जानकारी के मुताबिक नारीबारी क्षेत्र के हिनौती चंदेल के रहने वाले रामकुमार के मकान से बीती रात चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात, कीमती कपड़े व अन्य सामानों पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने इतनी सफाई से वारदात को अंजाम दिया कि किसी को भनक तक नहीं लग सकी। सुबह चोरी की जानकारी हुई तो सूचना पुलिस तक पहुंची। रामकुमार ने बताया कि छानबीन के दौरान घर से कुछ दूर के फासले पर एक खेत में घर से चुराया गया बाक्स, कपड़ा व अन्य सामान पाया गया। चोरी की अगली घटना महिला अस्पताल शंकरगढ़ में स्थित मंदिर की है।कस्बे के सदर बाजार में स्थित इस मंदिर के पुजारी ने बताया कि हनुमान मंदिर में देवताओं को पांच मुकुट पहनाया गया था, जिसे बीती रात चोरों ने पार कर दिया। चोरी की जानकारी शनिवार की सुबह तब हुई, जब वह

शंकरगढ़ बीच बाजार स्थित हनुमान मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना

जबकि नारीबारी के हिनौती चंदेल से एक मकान से उठा ले गए जेवरात, बाक्स

नियमित रूप से पूजा करने पहुंचे। चोरी गए चांदी के मुकुट का वजन एक किलो बताया जा रहा है। जबकि यह मंदिर बीच बाजार में स्थित है। मंदिर में चोरी की सूचना पर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और मौका-मुआयना लिया।एसओ ओमप्रकाश ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जन सूचना अधिकार के तहत मांगी गयी सूचना को निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराएं : राज्य सूचना आयुक्त

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राज्य सूचना आयुक्त श्री स्वतंत्र प्रकाश ने शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में ऊर्जा विभाग के जनसूचना अधिकारियों/प्रथम अपीलीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मा0 राज्य सूचना आयुक्त ने जन सूचना अधिकारियों/प्रथम अपीलीय अधिकारियों को जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी जाने वाली सूचनाओं को निर्धारित समयसीमा (30 दिन) के अंदर आवेदनकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत आवेदनकर्ता को मांगी गयी सूचना उपलब्ध करा दिए जाने से आवेदनकर्ता को जहां एक ओर समय से सूचना उपलब्ध हो जाती है, वहीं दूसरी तरफ राज्य सूचना आयोग में होने वाली पेंडेंसी में भी कमी आती है। उन्होंने विद्युत विभाग के जनसूचना अधिकारियों/प्रथम अपीलीय अधिकारियों को जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत लम्बित आवेदन पत्रों को निर्धारित समय में निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। राज्य सूचना आयुक्त ने सूचना अधिकार अधिनियम के साथ-साथ सूचना अधिकार नियमावाली उत्तर प्रदेश 2015 व 2019 के प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसूचना अधिकार से सम्बंधित आवेदन पत्र यदि उस अधिकारी से सम्बंधित नहीं है, तो निर्धारित समय के भीतर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित करें, जिससे कि सम्बंधित अधिकारी के द्वारा समय से उसका निस्तारण किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री विनय कुमार सिंह, अपर नगर मजिस्टेट द्वितीय, विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

7 हजार से ज्यादा वकीलों के वेरिफिकेशन पर रोक

प्रयागराज। यूपी बार काउंसिल की ओर से प्रदेश भर के उन वकीलों की सूची जारी कर दी गई है जिनका वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। पांच सालों में होने वाले वेरिफिकेशन के लिए बड़ी संख्या में वकीलों ने अपने अधूरे डॉक्यूमेंट तो जमा किए लेकिन बड़ी संख्या में वो भी वकील हैं जिन्होंने कोई भी डॉक्यूमेंट नहीं जमा किए हैं। लखनऊ व प्रयागराज में सबसे ज्यादा वकील हैं जिनके वेरिफिकेशन नहीं हो पाए हैं। लखनऊ के 2897 व प्रयागराज के 2052 वकीलों के वेरीफिकेशन नहीं हो सके हैं।

प्रयागराज में 2052, लखनऊ में 2897 वकीलों ने दिए अधूरे डाक्यूमेंट्स, कमेटी कर रही जांच

नहीं चलेगा फजीर्वाड़ा, कमेटी कर रही जांच : दरअसल, पूरे प्रदेश में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों को हर 5 साल में अपना वेरिफिकेशन कराना होता है। इसके लिए वकालतनामा के साथ-साथ सभी डाक्यूमेंट्स प्रयागराज स्थित यूपी बार काउंसिल के मुख्यालय में जमा करना होता है। इस बार वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बड़ी संख्या में वकीलों का वेरिफिकेशन रोक दिया गया है।जिन वकीलों ने यह डाक्यमेंट्स नहीं जमा किए हैं उनका नाम बार काउंसिल से हटा दिया जाएगा। इस बार वेरीफिकेशन के तीन सदस्यीय टीम बनाई गई है जिसमें रिटायर्ड जज भी शामिल हैं। इसमें बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही है।

जौनपुर कलेक्ट्रेट बार अध्यक्ष के वेरिफिकेशन पर रोक : जौनपुर के कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र का वेरिफिकेशन रूक गया है। दरअसल, बार अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने वेरिफिकेशन के लिए सारे डाक्यूमेंट्स तो दे दिए लेकिन 12वीं की मार्कशीट नहीं दिए। कई बार सूचना दी गई लेकिन वह मार्कशीट नहीं उपलब्ध करा सके।यूपी बार काउंसिल की ओर से जारी सूची में जिन वकीलों के नाम उसमें कुछ ने कोई भी डाक्यूमेंट नहीं जमा किया है तो कुछ लोगों ने 10वीं, 12वीं या एलएलबी की मार्कशीट नहीं दी है।दरअसल, इस वेरिफिकेशन में उन वकीलों पर भी ग्रहण मंडराने लगा है जो फर्जी डाक्यूमेंट्स के आधार पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। जांच कमेटी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट की विशेष जांच कर रही है।

न्यूज झरोखा

रेल अंडर ब्रिज के दोहरीकरण के लिए RVNL शुरू की गर्डर की लांचिंग, मंगाई गई बड़ी क्रेन

प्रयागराज। सोहबतियाबाग रेल अंडर ब्रिज के दोहरीकरण के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड ने गर्डर लांचिंग शुरू कर दी है। गंगा नदी पर बने पुल की तर्ज पर प्रयागराज शहर में पहली बार रेलवे ओवन वैब गर्डर लगा रहा है। यह हुबहू ऐसा ही बनते कि जैसे किसी नदी पर रेल के पुल। फिलहाल सोहबतियाबाग रेल अंडर ब्रिज के एक छोर पर गर्डर लांचिंग शुरू कर दी गई है। इसके लिए यहां एक बड़ी क्रेन भी मंगवाई गई है।यहां तकरीबन 150 फीट लंबा पुल बनाया जाएगा। इसमें नीचे कोई पिलर नहीं रहेगा। अभी पुल निर्माण के लिए अस्थायी लोहे के पिलर सिर्फ सपोर्ट के लिए लगाए जा रहे हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक वीके अग्रवाल का कहना है कि अगर ट्रैफिक पुलिस रोड ब्लॉक दे देती है तो अधिकतम तीन सप्ताह में पुल तैयार हो जाएगा। हमारा प्रयास रहेगा कि एक बार में एक लेन ही बंद की जाए। ताकि दूसरी लेन से वाहनों की आवाजाही होती रहे।

सांसद बाबू सिंह कुशवाहा को जीत की बधाई दी गई

प्रयागराज। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम नवनिर्वाचित सांसद जौनपुर बाबू सिंह कुशवाहा के ऐतिहासिक जीत पर उनसे सर्किट हाउस में जीत की बधाई देने कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी महासभा प्रयागराज के अध्यक्ष उदय राज कुशवाहा, उपाध्यक्ष नयन कुमार कुशवाहा, फतेह बहादुर कुशवाहा, राम बाबू कुशवाहा, रोचक कुशवाहा ने सांसद को पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी।

फिर से शुरू हो शंकरगढ़ के लिए सरकारी बस सेवा

बारा विधायक डा. वाचस्पति ने परिवहन मंत्री से किया पत्राचार

बारा। नगर पंचायत शंकरगढ़ से जिला मुख्यालय तक सरकारी बसों का संचालन बंद कर दिए जाने से स्थानीय लोगों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों की मांग पर बारा विधायक डा. वाचस्पति ने शंकरगढ़ से सरकारी बसों का संचालन फिर से शुरू कराए जाने की मांग की है। बसों का संचालन शुरू कराने के लिए विधायक ने परिवहन मंत्री से पत्राचार किया है। जिले के दक्षिणी छोर पर स्थित नगर पंचायत शंकरगढ़ व्यापार और आगामन की दृष्टि से बांदा-चित्रकूट हाईवे के नजदीक स्थित है। मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित होने के कारण कस्बे में भारी संख्या में गैर प्रांतीय लोग खरीदारी के लिए आते हैं। खरीदारी के लिए भारी संख्या में लोग नियमित रूप से जिला मुख्यालय का आवागमन करते हैं। इसके अलावा स्कूली बच्चे, नौकरी-पेशा वाले लोग भी रोजाना सफर करते हैं। पूर्व में शंकरगढ़ से जिला मुख्यालय तक के लिए परिवहन निगम और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाता था, लेकिन किन्ही कारणों से उनका संचालन बंद कर दिया गया है। बारा विधायक ने परिवहन मंत्री से क्षेत्रीय लोगों की सुविधा को देखते हुए परिवहन निगम की बसों के साथ-साथ इलेक्ट्रिक बसों का संचालन फिर से शुरू कराने की मांग की है।

प्रधानों के हक कि लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ी जायेगी : उज्जवल

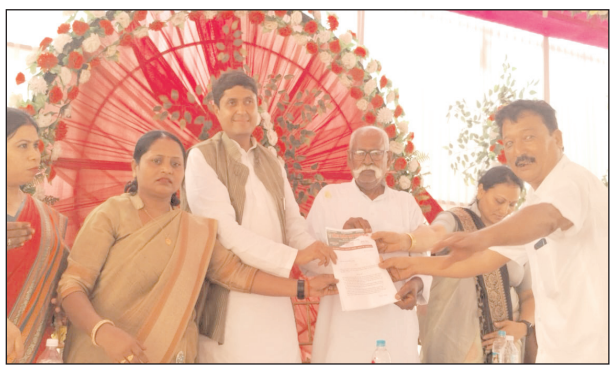

करछना। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसेवक यादव के आह्वान पर नैनी ग्रीन गार्डेन गेस्ट हाउस प्रयागराज में नवनिर्वाचित सांसद उज्जवल रमण सिंह का स्वागत समारोह हुआ जिसमे प्रधान संघ के पदाधिकारी व प्रधानो ने स्वागत किया। समारोह मे उपस्थित पदाधिकारी व प्रधानो ने सांसद को एक ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांग रखी कि आज प्रधान को सिर्फ मानदेय दाता तक सीमित कर दिया हैं और उन्होंने चाका ब्लाक की प्रधान नीलम पथिक के साथ चाका ब्लाक प्रमुख अनिल पटेल द्वारा की गई अभद्रता और गाली गलौज होने के पश्चात आज तक एफ आइ आर का न दर्ज होना न ही कार्यवाई होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है सभी ग्राम प्रधानो ने सासंद उज्जवल रमण सिंह से कहा कि इस प्रकरण मे जिले के अधिकारियो से वार्ता करके महिला ग्राम प्रधान को न्याय दिलाये अन्यथा कि स्थिति मे प्रधान धरना-प्रदर्शन के लिए विवश होगा साथ ही साथ प्रधानो के अधिकार व पंचायत राज एक्ट के तहत प्रधान के अधिकार को वापस दिलाने के लिए संसद मे आवाज उठाए ।जिसपर सांसद उज्जवल रमण सिंह ने प्रधानो को भरोसा दिलाया कि मै आपके साथ हू इस संबंध मे उच्च अधिकारियो से वार्ता करके प्रधान बलापुर नीलम पथिक को न्याय दिलाऊगा और आपके अधिकार की आवाज संसद मे उठाउगा और आपकी लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ी जायेगी। कार्यक्रम मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसेवक यादव प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ नीलम पथिक प्रदेश अध्यक्ष काजी मुअज्जम प्रभारी जिलाध्यक्ष अनिल शुक्ला कंचन मिश्रा गंगापार अध्यक्ष रेखा पाल राजेश दूबे मंडल अध्यक्ष रामानुज यादव अध्यक्ष कोराव रामबाबू सिंह अध्यक्ष सैदाबाद जितेन्द्र भारतीय अध्यक्ष श्रृंगेरपुर सरनजीत भूर्तिया अध्यक्ष मेजा कृष्णा नन्द ओझा अध्यक्ष कौधियारा प्रधान जसरा बिहारी लाल राजमणि दूबे अध्यक्ष मांडा आदि रहे।

तालाब में डूबी मृत बच्चियों के परिजनों को मेयर ने सौपा 4-4 लाख का चेक

अखंड भारत संदेश

झूंसी। महापौर गणेश केसरवानी व एसडीएम फूलपुर तपन मिश्रा ने शनिवार को सरायइनायत के अमरसापुर में खेलने के दौरान तालाब में डूबी तीन बच्चियों के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 4-4 लाख का चेक प्रदान किया। इस इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि जो बेटियों की मौत से जो छति आप लोगों को हुई है उसकी पूर्ति तो नहीं हो सकती है। हमारा सम्वेदना आप के साथ है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत अमरसापुर मनिकापुर गांव का मजरा बाबूराही का पूरा गांव में 4 जून मंगलवार की दोपहर में काजल बिन्द (12), पुत्री पवन बिन्द, निधि बिन्द (12) पुत्री सुरेश बिन्द एवं रानी बिन्द (13) पुत्री जोगिंदर बिन्द गांव स्थित तालाब पर नहाने गई हुई थी जहा डूबने से उनकी मौत हो गई थी। तीनों बच्चियों की मौत की सूचना पर पहुंचे वहां पर गणेश केसरवानी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सभी को आर्थिक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद उन्होंने सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व जिला प्रशासन को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद सरकार की ओर से सभी मृत बच्चियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये आर्थिक सहायता की स्वीकृति मिली। शनिवार को महापौर गणेश केशरवानी तीनों बेटियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए का आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया इस दौरान एसडीएम फूलपुर को तालाबों पर फिनिशिंग लगाने व रैम्प बनवाने का भी निर्देश दिया। इस दौरान स्थानीय पार्षद के साथ पार्षद शियराम मौर्य, शिव नारायण यादव, राम मिलन, अमर सिंह, संस्कार सिन्हा, आदर्श आदि मौजूद रहे।

पीडीए ने मुट्ठीगंज के बासमंडी में लगाया समस्याओं का महाकुंभ, कारोबार और जनजीवन प्रभावित

प्रयागराज। शहर के मुट्ठीगंज इलाके के तिलक रोड पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से नाला निर्माण कराने के लिए गड्ढा खोदकर छोड़ देने के कारण जनजीवन और कारोबार दोनों प्रभावित हो रहा है। साढ़े पांच मीटर चौड़ी सड़क के दोनों तरफ नाला निर्माण के लिए जेसीबी से गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। इसके बाद ठेकेदार ने काम बंद करा दिया। इसके चलते आवागमन के साथ ही कारोबार प्रभावित हो रहा। जेसीबी से खोदाई के चलते घरों में जाने वाली मेन पाइप लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे जलापूर्ति बाधित हो गई है। पीडीए के कर्मचारियों ने वैकल्पिक व्यवस्था के लिए दूसरी पाइप लाइन तो लगाई लेकिन उसकी गुणवत्ता और मोटाई इतनी कम थी कि लगने के कुछ दिन बाद ही कई जगह से क्रैक हो गई, इससे घरों में कीचड़ और सीवर युक्त पानी पहुंच रहा है। डॉ. कौस्तुभ त्रिपाठी, सुनीस जायसवाल, मुन्ना जायसवाल आदि ने बताया कि पीडीए के अधिकारियों की मनमानी के चलते यहां पर संकट पैदा हो गया है। थोकमंडी के साथ यही यहां पर फुटकर दुकानदारी होती है। सड़क के दोनों तरफ नाला निर्माण के लिए गड्ढा खोद दिए जाने के कारण वाहन नहीं आ पा रहे हैं, जिससे कारोबार ठप है। घरों के सामने नाले का पानी भरा होने से घर में जाने के लिए लोग अस्थायी पुल पटरा और बांस रखकर बना लिए हैं। सीवर का पानी एकत्र होने के चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा है। सुनीस ने बताया कि घर में आने का रास्ता न होने के कारण वह डिलीवरी के बाद अपनी पत्नी को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर घर नहीं ला रहे हैं।

पैरामेडिकल स्टूडेंट लापता, बहन ने कहा- अजय ने गायब किया, लास्ट लोकेशन मुंबई, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में पैरा मेडिकल स्टूडेंट लापता हो गई। उसकी बहन ने अजय नाम के शख्स के खिलाफ ऋक्षफ दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, लड़के की लास्ट लोकेशन मुंबई सामने आई है। जल्द लड़की को बरामद कर लिया जाएगा।

बहन ने कहा- पढ़ने गई, फिर लौटी नहीं : मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में डीएमएलटी की 21 वर्षीय छात्रा 11 जुलाई से लापता है। उसकी बहन ने जार्जटाउन थाने में तहरीर दी। जिसके मुताबिक, लापता छात्रा गाजीपुर के एक गांव की रहने वाली है। वह अपनी बड़ी बहन के साथ मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल की छात्रा है।बहन के आरोप हैं- वह और उसकी बहन 6 महीने से मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। 11 जुलाई को सुबह उसकी बहन कॉलेज के लिए निकली थी लेकिन लौटी नहीं। उसका मोबाइल नंबर भी बंद है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी बहन को एक लड़का फोन कर बात करने के लिए दबाव बना रहा था। बात न करने पर मार देने की धमकी भी दे रहा था।वहीं, जार्जटाउन थाने के प्रभारी ने बताया कि बहन की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। नंबर पर सर्विलांस पर लगाया गया है और हकीकत क्या है, छात्रा कहां है, यह सब जानने का प्रयास किया जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालय मनौरी में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज। केंद्रीय विद्यालय मनोरी में शनिवार को तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ,यह प्रतियोगिता 13 जुलाई से 15 जुलाई तक होगा। जिसमे बालिका वर्ग अंडर-14 और अंडर-17) का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बालिका वर्ग कबड्डी, हॉकी और शूटिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता में वाराणसी संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 125 प्रतिभागियों ने भागीदारी की है। खेलकूद प्रतियोगिता के प्रारंभ में कबड्डी के सभी खिलाड़ी अपने अपने विद्यालय के ध्वजों के साथ लाइन अप हुए। इस अवसर पर वाराणसी संभाग के सहायक आयुक्त दिनेश चंद्र मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के सम्मान में विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य ने मुख्य अतिथि के सम्मान में स्वागत भाषण दिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा खेल ध्वजारोहण किया गया और शांति के प्रतीक कबूतरों को उड़ाया गया। खेल भावना का परिचय देते हुए सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना की शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों को उद्बोधित किया।अपने उद्बोधन मे उन्होंने सभी को खेल भावना का परिचय देते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित किया और खेल को प्रारंभ करने की घोषणा की। सुबह सबसे पहले होने वाला कबड्डी मैच केंद्रीय विद्यालय मनौरी और केंद्रीय विद्यालय सी आर पी एफ फाफा मऊ के बीच होना था। उद्घाटन मैच के प्रारंभ में केंद्रीय विद्यालय मनौरी के प्राचार्य मनीष त्रिपाठी के द्वारा दोनो टीमों का परिचय लिया गया। उसके बाद प्राचार्य ने टॉस करके केंद्रीय विद्यालय मनौरी और केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ के उद्घाटन मैच को प्रारंभ कराया। उद्घाटन मैच में बालिका अंडर-17 वर्ग के मुकाबले में केन्द्रीय विद्यालय सी आर पी एफ ने मेजबान टीम के वि मनौरी को 23 - 2 के अंतर से पराजित किया। कबड्डी का दूसरा मुकाबला अंडर-14 बालिका वर्ग में ही के वि बि एच यू द्वितीय पाली और के वि मनौरी के बीच संपन्न हुआ जिसमें के वि मनौरी 3118 के अंतर से विजयी रहा। कबड्डी का तीसरा मुकाबला अंडर - 17 बालिका वर्ग में के वि बि एच यू द्वितीय पाली और के वि शक्तिनगर के बीच संपन्न हुआ जिसमें के वि शक्तिनगर 18 से विजयी रहा। कबड्डी का चौथा मुकाबला अंडर 14 बालिका वर्ग में ही के वि न्यू कैंट प्रयागराज प्रथम पाली और के वि बि एच यू प्रथम पाली के बीच संपन्न हुआ जिसमें के वि बि एच यू 23-17 के अंतर से विजयी रहा। भोजनावकाश के पश्चात शेष दो मैच अंडर-17 बालिका वर्ग मेजबान टीम के वि मनौरी और के वि बलिया के मध्य, अंडर 14 बि एच यू प्रथम पाली बनाम के वि न्यू कैंट प्रथम पाली और अंडर - 14 के वि सी आर पी एफ बनाम के वि बलिया के मध्य खेला जाएगा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने किया भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की मूर्ति का अनावरण

अखंड भारत संदेश

सहसों। भोपतपुर गांव स्थित एक शिक्षण संस्थान में स्थापित पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की मूर्ति का अनावरण समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शनिवार को किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कपूर्री ठाकुर पीडीए के महानायक हैं। उन्होंने कहा बिहार प्रांत ही नहीं पूरे देश में फैली सामाजिक गैर बराबरी शैक्षिक और आर्थिक असमानता के खिलाफ समाजवादी आंदोलन की मुख्य धारा में कपूर्री ठाकुर ने देश के लाखों लोगों को जोड़ते हुए जो राजनैतिक विचार हांसिल की वह इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा उनकी सादगी, ईमानदारी, कर्तव्य के साथ समर्पित एवं पीडीए समाज के उत्थान के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर देने वाले राजनेता के विचार सिद्धांत से युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा सरकार चाहे तो उनको दिए गए भारत रत्न को वापस ले ले। क्योंकि उनकी पीढ़ियों को उनका आरक्षण अधिकार सरकार नहीं दे रही है। इसी तरह सहसों के लाला बाजार में सायंकाल आयोजित स्वागत समारोह एवं कवि सम्मेलन में व्यापारी नेता एवं आयोजक अरविंद केसरवानी ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक बिजमा यादव एवं जिला अध्यक्ष अनिल यादव का जोरदार स्वागत करते हुए माल्यार्पण एवं चांदी का मुकुट पहनाकर उनका अभिनंदन व सम्मानित किया। इस मौके पर एमएलसी डॉक्टर मानसिंह यादव, अमरनाथ सिंह मौर्य, पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी, सत्यवीर मुन्ना, धनी लाल सहित आदि लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर शिव प्रसाद वर्मा, राजेश शर्मा, डॉक्टर सुरेश सेन, पंधारी यादव, धर्मराज पटेल, कृष्णमूर्ति सिंह यादव, डॉ अशोक केसरवानी, दान बहादुर मधुर, संदीप यादव, आशुतोष तिवारी, मुलायम यादव, मंसूर आलम, डॉ सुरेश मौर्य, योगेश पाल, सुरेश कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

स्कूटी सवार बदमाशों ने महिला के गले से उड़ाया जंजीर, छीना झपटी में हुई घायल

नैनी। नैनी क्षेत्र के चकदाऊद नगर मीरजापुर मार्ग पर शानिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली सपा नेता की पत्नी के गले से स्कूटी सवार बदमाशों ने सोने की चेन छीन ली। छीना झपटी में बुजुर्ग महिला सड़क पर गिर गई जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। घायल महिला को इलाज के लिए सड़वा स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया हैं। नैनी सब्जी मंडी के पास रहने वाले सपा के वरिष्ठ नेता एवं मजदूर सभा के अध्यक्ष स्व. दिवाकर यादव की पत्नी 53 वर्षीया रानी यादव रोज की तरह मॉन्निंग वॉक के लिए निकली थीं। जैसे वह बसंत गैस व बजाज शोरूम के बीच पहुंची थीं कि पास स्कूटी सवार बदमाश उनके गले से चेन छीनने का प्रयास करने लगा। छीना झपटी में रानी देवी सड़क पर गिरकर घायल हो गई जिससे उनके बांया पैर फ्रैक्चर हो गया। उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भरती कराया गया है।

रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कूड़े का अंबार, सुध लेने वाला कोई नहीं

जारी। जसरा ब्लाक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतें जो कि तीन ग्राम सभा होने के बावजूद भी सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। जारी बाजार में लाख दावों के बावजूद अब तक सफाई व्यवस्था बेपटरी ही है। मार्केट में कई सार्वजनिक स्थल व प्रमुख चौराहें ऐसे हैं, जहां गंदगी पसरी रहती है। सफाई कर्मी होने के बावजूद भी सफाई नहीं होती है। इससे बाजार की सुंदरता प्रभावित हो रही है।जारी ग्राम पंचायत और गड़ैया कला ग्राम पंचायत, के ग्राम प्रधानों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं । तो वही बने बसअड्डे के पास गंदगी का भरपूर अंबार लगा हुआ है। जो गड़ैया ग्राम पंचायत में आता हैं। तो वही गड़ैया खुर्द ग्राम प्रधान के द्वारा सफाई व्यवस्था कचरे की गाड़ी के द्वारा कभी-कभी कराई जाती है। ऐसे में जहां 22 जुलाई से श्रावण मास लगने जा रहा है जिस पर कांवरियों का बड़ा जत्था इसी रोड से पैदल संगम नगरी जल भरने के लिए प्रयागराज जाएंगे। लेकिन इस पखवाड़े से स्वच्छता अभियान से कोसों दूर है। कई जगह दिखाने के लिए साफ सफाई की जाती है। कई बार आस पास के लोगों ने कहा कि कचरे का डस्टबिन मुख्य बाजारों में न होने से समस्या बनी हुई है ।जो की दुकानों को सामने कूड़े का अंबार लगा रहता है। देखा जाए तो यह मार्केट रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसी है। जहां चारों तरफ कूड़े का अंबार लगा हुआ है। जसरा ब्लाक के वीडियो अनीस अहमद ने बताया कि अगर डस्टबिन में कूड़े को रखा जाए जिस पर कूड़े की गाड़ी आएगी और कूड़े को ले जाएगी । लेकिन सवाल यह है कि डस्टबिन लगा कहां है। तो वही ग्रामीणों का कहना है कि कूड़े की गाड़ी कहीं नजर नहीं आती कई हफ्तों महीना बीत जाते है लेकिन ग्राम प्रधानों द्वारा साफ सफाई को नजर अंदाज करते हैं। अपने ही ग्राम सभा में सफाई कराने को मजबूर हैं। यहां की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से बे पटरी हो गई है। अधिकारी अपना पल्ला झाड़ रहे हैं और प्रधान अपना ऐसे में बारिश के मौसम के समय कूड़ा करकट इकट्ठा होने से दुर्गंध पूरी बाजार में बनी रहती है। तो वही बाजार के व्यापारियों ने यह मांग की है कि सफाई व्यवस्था का निदान जल्द से जल्द कराया जाए।

बस्ते न लाये जाने पर लेखपालों को डीएम ने लगाई फटकार

थाना कोतवाली नगर में थाना समाधान दिवस पर डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली नगर में पहुँचकर दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिये।

थाना समाधान दिवस में कुल 05 शिकायतें राजस्व विभाग की प्राप्त हुई जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि राजस्व सम्बन्धित प्रकरणों को

थाना समाधान दिवस पर शिकायतें सुनते डीएम-एसपी।

पुलिस विभाग व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के सम्बन्धित शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करायें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते अन्यथा की स्थिति मे सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लेखपालों से उनके बस्तों की जानकारी ली तो अधिकतर लेखपाल अपने बस्तों को मौके पर नही लेकर आये थे जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये लेखपालों को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि तत्काल बस्तों को लेकर आये। जिलाधिकारी ने संग्रामपुर की लेखपाल उषा मौर्या के बस्ते का अवलोकन कर उसमें आवश्यक रजिस्टरों को देखा तथा मौके पर नक्शे में पैमाइस कैसे की जाती है उसकी जानकारी ली तो लेखपाल द्वारा नक्शे में पैमाइश कर दिखाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने कहा कि पुलिस थाने में आये हुये

समाधान दिवस में आए 21 शिकायतों में एक का हुआ निस्तारण

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। शनिवार को पट्टी थाने में समाधान दिवस के अवसर पर कुल 21 शिकायते आई, जिसमें एक शिकायत का निस्तारण मौके पर किया गया। सभी मामले की राजस्व के थे। एसडीएम पट्टी तनवीर अहमद ने सभी फरियादियों की शिकायत को सुना और एक का मौके पर निस्तारण किया। इस मौके पर सीओ पट्टी आनंद राय व पट्टी कोतवाली प्रभारी आलोक कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

फरियादियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें, उनकी शिकायतों को सावधानीपूर्वक सुने तथा जल्द से जल्द उनकी शिकायतों का निस्तारण करायें। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारी व राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मैजिक डाला की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक गम्भीर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मैजिक डाला की जोरदार टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि एक गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। बाघराय थाना के टेऊंगा निवासी रामकरन (45) पुत्र लाल प्रसाद शुक्रवार को एक रिश्तेदार के यहां वैवाहिक कार्यक्रम में लीलापुर थाना के डांडी गांव आया था। शनिवार को दोपहर करीब तीन बजे वह बाइक से डांडी पूरे रामलाल निवासी भाई लाल (46) पुत्र ननकू राम सरोज को बैठाकर सगरासुन्दर बाजार आया था। यहां से वापस लौटने के दौरान पूरे बेलखरिया के पास सामने से आ रही मैजिक डाला ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलो को आस पास के लोगों ने लालगंज ट्रामा सेंटर भिजवाया। यहां चिकित्सकों ने रामकरन को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल का इलाज चल रहा है। एसओ नरेन्द्र सिंह का कहना कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवाया गया है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

पलायन करने वाले ग्रामीण विहिप पदाधिकारियों व पुलिस के आश्वासन पर माने

फोटो 3-ग्रामीण से बात करते विहिप के पदाधिकारी व पुलिस कर्मी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बेटी की आबरू बचाने के लिए पलायन की तैयारी में जुटे पीड़ित परिवार से विहिप के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए पुलिस अधिकारियों से भी बात की।

लीलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव का एक परिवार दूसरे संप्रदाय के लोगों की धमकी से भयभीत होकर पूरा कुनबा गांव छोड़कर पलायन का मन बना

प्रशासन ने न्याय का दिलाया भरोसा

रखा है। पीड़ित परिवार ने घर की दीवार पर एक नोटिस लगाकर यह लिखा है कि यह घर बिकाऊ है। उक्त नोटिस कई दिन से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि वह एक दूसरे संप्रदाय के लोगो से परेशान होकर यह कदम उठाने को मजबूर है। यह भी आरोप है कि दूसरे समुदाय के लोग उसकी बेटी को अगवा करने की धमकी के साथ धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहे हैं। पलायन की खबर पर बजरंग दल संगठन व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर विहिप के रायबरेली जिला सहसंयोजक सुरेश सिंह, बजरंगदल के सदस्य विनोद मौर्य, मुकेश सिंह, अनुभव गौड़, आदर्श गुप्ता, एके शुक्ल, उमेश सिंह, रोहित द्विवेदी, प्रशांत पटेल, मोनू शुक्ल, राजेश वर्मा आदि लोगों के साथ स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही।

लो वोल्टेज से वार्ड के लोग परेशान

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। लो वोल्टेज से कस्बे के लोग हो रहे हैं परेशान शिकायत के बावजूद भी विद्युत कर्मी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बता दें कि नगर पंचायत वार्ड नंबर 2, 3 व 4 वार्ड की विद्युत सप्लाई आए दिन लो हो जाती है, जिसकी शिकायत कस्बे के लोगों ने विद्युत कर्मियों से करते हैं। विद्युत कर्मी आकर ठीक करते हैं लेकिन उनके जाने के कुछ देर बाद फिर वही लो वोल्टेज की समस्या बना रहती है। जिसकी शिकायत कई बार किया गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। वार्ड के रहने वाले अनिल सिंह, रिंकू सिंह, फूलचंद शर्मा, रामचंद्र, हरकेश, सीताराम, जीतलाल, अरुण कुमार आदि लोगों ने जिले के संबंधित उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

शट डाउन के बाद विद्युत पोल में दौड़ा करंट, लाइन मैन की मौत

परिजनों ने किया नेशनल हाइवे जाम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शट डाउन लेने के बाद भी विद्युत तारों में करंट प्रवाहित होने से संविदा लाइन मैन की मौत हो गई। विभाग की लापरवाही से अक्रोशित लोगो ने एनएच पर शव रखकर जाम लगा दिया।

स्थानीय नगर स्थित विद्युत उपकेंद्र पर कटरा बलीपुर निवासी शंकर लाल वर्मा संविदा लाइन मैन का कार्य करता था। शनिवार को वह लगभग ग्यारह बजे शट डाउन लेकर एसवीएम स्कूल के पास खराब विद्युत लाइन को ठीक करने के लिए पोल पर चढ़ गया। वह जैसे कार्य करना शुरू किया ही था कि विद्युत तारों में अचानक

लाइन मैन की मौत पर नेशनल हाईवे जाम करते ग्रामीण।

करंट दौड़ गया। विद्युत करंट की चपेट में आने से वह पोल के नीचे गिर गया।

स्थानीय लोगों ने उसे नगर स्थित ट्रामा सेंटर भेजवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। लोगो में विभाग की लापरवाही के प्रति आक्रोश पनप उठा। लोग शव लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। लोग विभाग के लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई के साथ आर्थिक सहायता समेत प्रशासन से कई मांग की बात रखी। मौके पर मौजूद एसडीएम, सीओ,कोतवाल समेत विभाग के एसडीओ ने उनके मांग पत्रों को लेकर शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब जाकर अक्रोषित लोगो ने जाम को हटया।

प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रसूता की दर्दनाक मौत, घटना से परिजनों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कस्बे में नर्सिंग होम की लापरवाही के चलते प्रसूता की मौत हो गयी। हालांकि प्रसूता के नवजात शिशु का अभी आईसीयू में इलाज जारी है। नर्सिंग होम के चिकित्सक की लापरवाही मृतका के ट्रामा सेंटर में पहुंचने पर उजागर हुई। ट्रामा सेंटर में चिकित्सकों ने प्रसूता को मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति ने घटना के बाबत पुलिस को तहरीर दी है। इधर ट्रामा सेंटर में आक्रोश के माहौल की जानकारी मिलते ही सीओ व एसडीम भी

प्रसूता की मौत को लेकर पति ने नर्सिंग होम व एक महिला के खिलाफ दी तहरीर

पहुंच गये। जेठवारा थाना के जेठवारा निवासी श्यामबाबू सोनी उर्फ देवी प्रसाद सोनी की पत्नी तीस वर्षीय अनीता सोनी को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो उन्होंने बाबूगंज की सुमित्रा यादव के कहने पर उसे लालगंज कोतवाली कस्बा स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। प्रसूता को भर्ती करने के दौरान नर्सिंग होम द्वारा चालीस हजार रूपये जमा कराया गया। पीड़ित पति का आरोप है कि रात में नर्सिंग होम के चिकित्सक ने बताया कि आपरेशन करना होगा। इसके बाद सुबह करीब साढ़े पांच बजे प्रसूता का आपरेशन किया। आपरेशन के बाद पुत्र के जन्म होने की जानकारी दी गयी। नर्सिंग होम की तरफ से प्रसूता की हालत बिगड़ने व खून की कमी होने की बात बताते हुए इलाज हेतु और पैसे की मांग भी की गयी। सुबह करीब पौने छह बजे पीड़ित को बताया गया कि प्रसूता की हालत बहुत खराब है इसे इलाहाबाद ले जाकर खून चढ़वाओ। यह कहते हुए प्रसूता को नर्सिंग होम से बाहर निकालकर जबरजस्ती वाहन मंगाकर उस पर लिटा दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि प्रसूता की नर्सिंग होम में ही मौत हो चुकी थी। लाचार परिजन उसे लेकर ट्रामा सेंटर लालगंज पहुंचे तो यहां चिकित्सकों ने अनीता को मृत घोषित कर दिया। ट्रामा सेंटर में अनीता के मौत होने की खबर उजागर हुई तो लोगों में आक्रोश पनप उठा। नर्सिंग होम के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए लोग शव को नर्सिंग होम के सामने ले जाकर विरोध प्रदर्शन करने की बात करने लगे। ट्रामा सेंटर में आक्रोश के माहौल की जानकारी मिलते ही एसडी शैलेश वर्मा व सीओ रामसूरत सोनकर पुलिस बल के साथ पहुंच गये। लोगों को बहुत समझाया लेकिन लोग नही माने और स्टेट्रचर पर शव रखकर उसे नर्सिंग होम परिसर में ले आये। इसी बीच नर्सिंग होम में ताला बंद कर संचालक समेत लोग फरार हो चुके थे। मृतक के परिवार को काफी समझा बुझाकर पुलिस शव को कोतवाली ले आयी। घटना को लेकर मृतका के पति रामबाबू सोनी ने नर्सिंग होम व सुमित्रा यादव निवासी बाबूगंज के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर विवाहिता का मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विवाहिता को शादी के बाद मारने पीटने तथा डेढ़ वर्ष के बच्चे की देखभाल न करने तथा ससुरालीजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कंधई पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कंधई थाना क्षेत्र के पूरे घना गांव निवासी सुमन देवी पत्नी धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की थी। 11 जुलाई को कंधई पुलिस ने दहेज उत्पीड़न सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू की है। सुमन देवी का मायका कधंई थाना क्षेत्र के गुतौली गांव में स्थित है। दो साल पूर्व सुमन की शादी पूरे घना के धर्मेंद्र कुमार पुत्र राजेन्द्र वर्मा के साथ हुई थी। कुछ महीने बाद सुमन को एक बच्चा हुआ। उसके बाद सुमन का दहेज सहित अन्य घरेलू बातों को लेकर ससुराल द्वारा उत्पीड़न किया जाने लगा। जनवरी 2024 को महिला प्रकोष्ठ में शिकायत के बाद पति द्वारा देखभाल करने तथा घर में रखने को तैयार हो गया था। 22 जून की रात 8 बजे विवाहिता सुमन देवी को पति धर्मेंद्र कुमार जेठ जीतेंद्र कुमार जेठानी सीमा देवी को लाठी डंडे पटक कर मारा-पीटा गया। रात को अपने मायके फोन करके घटना की जानकारी दी। मायके से पहुंचे पिता ने किसी तरह उसे ससुराल से घर लाए मारने पीटने पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। 27 जून को पट्टी थाना क्षेत्र के नगर पंचायत स्थित प्राईवेट चिकित्सक के यहां इलाज के लिए लें गये अल्ट्रासाउंड कराने के बाद गर्भ में पल रहे तीन माह के बच्चे की मौत हो गई है। घटना की लिखित जानकारी कधंई पुलिस को दी महीने भर बाद भी कधंई पुलिस ने सुमन का मुकदमा दर्ज नहीं किया 9 जुलाई को पुलिस अधीक्षक से शिकायत की पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कंधई पुलिस ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

चिलबिला पश्चिमी में ध्वस्त नाली का नपा ने किया पुनर्निर्माण, कर्बला में हुई साफ-सफाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका के रोड गैंग के कर्मचारियों ने जिलाधिकारी संजीव रंजन के आदेश पर पश्चिमी चिलबिला में क्षतिग्रस्त नाली व पुलिया को दुरुस्त किया गया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जेसीबी से उठाकर पाइप लाइन डाली गई और पानी निकास के चैड़ाई को बढ़ाया गया। क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत की गई।

इस कार्य में रोड गैंग के 14 कर्मचारी लगे थे जो पहले गिट्टी व मिट्टी की कटाई व सफाई करके

ध्वस्त नाली पर पाइप लाइन डालते नपा कर्मी।

पुनर्निर्माण कराया गया। इसके अलावा नगर पालिका के कर्मचारियों ने शनिवार को करबला में जाकर साफ-सफाई की जहां तीन दिन बाद ताजिया दफन किया जाएगा। यहां भी पेड़ों की कटाई कर रास्ते की साफ-सफाई की गई। जिलाधिकारी संजीव रंजन के आदेश पर नगर पालिका के कर्मचारी अल्पसंख्यकों के इस महत्वपूर्ण त्योहार पर साफ-सफाई के निर्देश दिये हैं।

घर से निकला युवक वापस नही पहुंचा घर

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के केरावडीह निवासी अभिनव पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल 10 जुलाई 24 को घर से प्रयागराज के लिए निकला जो चार दिन बीत जाने के बाद वापस घर नही पहुंचा। अभिनव के वापस घर न पहुंचने से परिजन लोग परेशान हैं जो किसी अनहोनी की आशंका से भय भीत हैं। अभिनव का पता लगाने के लिए घर के परिजन दिन रात दौड़ भाग मे लगे हुए है लेकिन कही पता नही चल सका। इस बारे मे जानकारी करने पर नवाबगंज थाना प्रभारी धीरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि अभिनव पटेल प्रयागराज मुंडेरा मंडी से गायब हुआ है, जिसके मां की विडिओ मेरे पास उपलब्ध है।

छठीं मोहर्रम पर शानो शौकत से निकला जुलूस

जुलूस में दिखाये गये हैरतअंगेज करतब

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मोहर्रम कमेटी अन्जुमन रज़ा-ए-हुसैन चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कमेटी अध्यक्ष आबिद रज़ा के आवास से पैगम्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे हज़रत इमाग-ए-हसन व हुसैन कर्बला के 72 जांनिसार के शहादत की मोहर्रम के 6वीं का जुलूस हस्बे दस्तूर अपनी पुरानी शानो-शौकत के साथ निकाला गया।

जुलूस अपने पुराने कदीमी

छठीं मोहर्रम पर जुलूस में शामिल लोग।

रास्ते अजीत नगर से रज्जब मस्जिद भैरोपुर, कपूर चैराहा, चैक घंटाघर, बजाजा रोड, श्रीराम चैराहा से पंजाबी मार्केट से तहसील गेट, मकन्दूगंज पुलिस चैकी से सीधा राम प्रताप चैराहा से कर्बला शरीफ रंजीतपुर चिलविला चैराहा से चिलबिला नवाबगंज से मौर्या चैराहा से वापस अजीत नगर पहुंचा जहां पर मजलिस मोहर्रम का आयोजन किया गया। बाबा मुनव्वर हुसैन हशमती ने इमाम हुसैन के बारे में विस्तार से बताया। जुलूस के साथ में चाँदी का बड़ा अलम, डंका, चिलबिला अखाड़ा और के द्वारा हैरत अंगेज खेल दिखाया गया। जुलूस का संचालन अन्जुमन रज़ा-ए-हुसैन चैरिटेबल ट्रस्ट के जनरल सेक्रेट्री गुलाम रज़ा ने किया। जुलूस के मौके पर बाबा रशीद अहमद, एडवोकेट निर्भय सिंह, ओम प्रकाश साहू मुख्तार राइन, इरशाद पठान, इजहार हुसैन, मो0 यूसुफ सन्ने, मोहर्रम कमेटी के मरहूम इरशाद सिद्दीकी के भाई मो0 आजाद सिद्दीकी, अन्जुमन शेरे सुन्नत के अध्यक्ष, सरवर राइन, अख्तर राइन आदि मौजूद रहे।

सड़क किनारे खून से लथपथ मिला युवक, गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव के समीप कोहंडौर मार्ग पर युवक खून से लथपथ मिला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया, जहां से उसे गंभीर हालत में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर प्रयागराज रेफर कर दिया।अमुआही गांव के रहने वाले संतोखी बनवासी का बेटा पट्टी-कोहंडौर मार्ग पर बीबीपुर गांव के समीप सड़क किनारे घायल अवस्था में दिखाई दिया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी पहुंचाया और घायल युवक के परिजनों को जानकारी दी। सूचना पर परिजन सीएचसी पहुंचे। प्राथमिक उपचार कर चिकित्सक ने युवक की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पर हालत गंभीर होने पर उसे एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया गया। जहां युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

एसडीएम कुंडा के आदेश पर नही हुई आख्या की रिपोर्ट पूरी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। एक तरफ प्रदेश की योगी सरकार तालाबों मे जल संरक्षण को लेकर ग्राम पंचायतो में फार्म पांड योजना में लाखो रुपये खर्च कर रही है ताकि जल का स्टेटर बना रहे और किसानो को उसका लाभ मिल सके लेकिन जनपद प्रतापगढ़ के थाना नवाबगंज के जनवामऊ मे सरकारी अभिलेख मे दर्ज तालाब पर विपक्षीगण जबरन कृषि कार्य हेतु जोतवा लिया जिसकी लिखित शिकायत जनवामऊ ग्राम प्रधान रामखेलावन पटेल ने 6 जुलाई 2024 को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुंडा मे एसडीएम को दिया जिसमे एसडीएम ने सात दिन के अंदर जाँच की आख्या रिपोर्ट मांगी लेकिन समाचार भेजे जाने तक मौके पर कोई नामित अधिकारी जाँच करने नही पहुँचा जिससे यह साफ जाहिर होता है कि अपने ही आला अफसर के आदेश को दरकिनारे करते हुए हीला हवाली कर रहे हैं। एसडीएम की जाँच रिपोर्ट की आख्या पूरी न होने पर मामले मे ग्राम प्रधान ने मुख्यमंत्री को टिवीट कर अवगत कराया।

घर के बाहर सो रही महिला की धारदार हथियार से हत्या, कोहराम

प्रतापगढ़। जिले के बाघराय थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में शुक्रवार की देर रात घर के बाहर सो रही महिला ललिता देवी की धारदार हथियार से नृशंस हत्या कर दी गई। शनिवार की सुबह महिला का रक्तरंजित शव देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित रह गये। बताया जाता है कि हत्यारा हत्या के बाद भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई। गांव में कोहराम मच गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल वाद 33 हजार 599 का निस्तारण कर रुपए- 2 करोड़ 37 लाख 34 हजार 928 वसूला गया अर्थदंड

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी के तत्वाधान में जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। न्यायिक अधिष्ठान के सभी सम्मानित न्यायिक अधिकारीगण एवं बैंक अधिकारी व कर्मचारीगण तथा जनमानस उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण के क्रम में जनपद न्यायाधीश द्वारा कुल 02 वाद का निस्तारण किया गया। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा कुल 63 परिवारिक वादों का निस्तारण किये गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण न्यायालय द्वारा 44 वादों का निस्तारण कर प्रतिकर के रूप में 1.06.30,000/- रू० दिलाया गया तथा इसी क्रम में अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम द्वारा कुल 06 वाद का निस्तारण कर 25,000/- रू0 का अर्थदण्ड वसूला गया। अपर जनपद न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी द्वारा 02 वाद का निस्तारण कर 1,500/- रू० का अर्थदण्ड वसूला गया। अपर जनपद न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट द्वारा 03 वाद का निस्तारण कर 1,500/- का अर्थदण्ड वसूला गया। अपर जनपद न्यायाधीश सप्तम द्वारा कुल 07 बाद का निस्तारण किया गया। अपर जनपद न्यायाधीश / त्वरित न्यायालय प्रथम द्वारा विद्युत अधिनियम के 108 यादों का निस्तारण किया गया। अपर जनपद न्यायाधीश / त्वरित न्यायालय द्वितीय द्वारा कुल 01 वाद का निस्तारण कर 500/- रू० का अर्थदण्ड वसूला गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा कुल 6038 फौजदारी यादों का निस्तारण कर 5.87.440 /- रू० अर्थदण्ड वसूला गया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट / सिविल जज सी०डि० द्वारा कुल 550 वादों का निस्तारण कर 1,330/- रू० का अर्थदण्ड अधिरोपित करने के अतिरिक्त 1,4,64,898/- रू० का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किया गया। सिविल जज सी०डि०/ त्वरित न्यायालय द्वारा कुल 280 यादों का निस्तारण कर 8,130/- रू० अर्थदण्ड वसूला गया। सिविल जज जू०डि० द्वारा 273 वादों का निस्तारण के अतिरिक्त 2,61,346/- रू0 का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 850 वादों का निस्तारण कर 15,800/- रू० का अर्थदण्ड वसूला गया। इसी प्रकार अपर सिविल जज जू०डि० द्वितीय द्वारा 229 वादो का निस्तारण किया गया। सिविल जज जू०डि०/ त्वरित न्यायालय प्रथम द्वारा कुल 584 वाद निस्तारित कर 35,900/- रू० अर्थदण्ड वसूला गया। ग्राम न्यायालय, चायल द्वारा कुल 151 वाद निस्तारित कर 12,850/- रू० का अर्थदण्ड वसूला गया। जिले के समरत राजस्व न्यायालयों द्वारा 23281 वादों व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा 462 वादो का निस्तारण कर 12,50,000 रु० जमा कराया गया। न्यायालय, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवायें), कौशाम्बी द्वारा सुलह समझौते के आधार कुल 06 मामले का निस्तारण किया गया तथा बैंक के ऋण वसूली वादों से सम्बन्धित जनपद के सभी बैंको के द्वारा 659 वादों का निस्तारण कर 1,11,67,308 रू० जमा कराया गया। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल वाद 33599 का निस्तारण कर 2,37,34,928 रू० अर्थदंड वसूला गया।तदोपरान्त प्राधिकरण के सचिव/ अपर जनपद न्यायाधीश, श्रीमती पूर्णिमा प्रांजल द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया तथा लोक अदालत की समाप्ति की की गई।

रेप के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

कौशाम्बी। जिले में युवती से उसकी रिश्तेदारी में जाकर रेप करने वाले आरोपी को कोखराज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है,आरोपी काफी दिनों से फरार चल रहा था,जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और लिखापढ़ी कर न्यायालय पेश किया जहा से उसे जेल भेज दिया गया। मामला कोखराज थाना क्षेत्र का है जहा के युवक टिल्लू पुत्र गुरु प्रसाद निवासी दशरथपुर थाना कोखराज ने चरवा थाना क्षेत्र की एक युवती से शादी का झांसा देकर रेप किया और जब युवती गर्भवती हो गई तो शादी से इनकार कर दिया,सामाजिक समझौते में आरोपी युवक के पिता ने युवती को अपनाने से इनकार कर दिया जिसके बाद पीड़िता के पिता ने मुकदमा दर्ज कर दिया।मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी टिल्लू फरार चल रहा था,जिसे कोखराज थाना पुलिस ने अपने मुखबिर की सूचना पर हाइवे से गिरफ्तार कर लिया,जिसे पुलिस ने लिखापढ़ी कर न्यायालय पेश किया जहा से उसे जेल भेज दिया गया ।

न्यूज झरोखा

पल्टीपुर गांव में जल भराव से जनता परेशान

गांव क्षेत्र की दुर्दशा देखकर योगी सरकार के विकास की बात बेमानी लगती है

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा अंदावा के पल्टीपुर गांव में जगह-जगह पर जल भराव है पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है जबकि गांव में नाली और इंटरलॉकिंग के नाम पर कई लाख रुपए ग्राम पंचायत द्वारा खर्च किया जा चुका है लेकिन बेहतर कार्य योजना ना बनाए जाने से समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है और गांव में जल भराव से आम जनता परेशान हैं लोगों को आने-जाने में दिक्कतें होती है बताया जाता है कि पंजाबी सोनकर के घर से लेकर काली माता के मंदिर तक पूरी तरह से जल भराव है जिसके चलते रास्ता बाधित हो गया है पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील है आने जाने वाले लोग कीचड़ की सड़क में गिरकर चोटिल हो रहे है योगी सरकार विकास की बात कर रही है लेकिन गांव क्षेत्र की दुर्दशा देखकर योगी सरकार के विकास की बात बेमानी लगती है क्षेत्र के लोगों ने डीएम का ध्यान आकर्षित करते हुए जल निकासी की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

थानेदार के विरोध की खबर चलने से बौखलाए अपराधी माफिया और दलाल

कौशांबी संदीपन घाट थाना प्रभारी बृजेश करवरिया का अपराधी माफिया और दलालों से इतना मजबूत गठजोड़ है कि थानेदार के विरोध में खबर चलते ही अपराधी माफिया दलाल में बौखलाहट दिखाई पड़ने लगी है खबर लिखने वाले पत्रकार तक को फोन करके उन पर दबाव बनाया जाने लगा है आखिर अपराधी माफिया और दलालों से गहरा रिश्ता रखने वाले थानेदार संदीपन घाट आम जनता को न्याय कैसे दे पाएंगे क्षेत्र में कानून का राज कैसे स्थापित होगा संगठित अपराध गाँजा जुआ लकड़ी कटान डग्गामार वाहन से वसूली के धंधों पर रोक लगती नहीं दिख रही है थानेदार का सरकारी मोबाइल सीयूजी बंद रहने की खबर चलने के बाद दलाल माफिया और अपराधी परेशान हो गए हैं उनका कहना है कि थानेदार के कारनामों की खबर मत चलाया करो।

विवेकानन्द यूथ एवार्ड के लिए 15 अगस्त तक करें आवेदन

कौशाम्बी। राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड के लिए जनपद स्तर पर आवेदन-पत्र आमन्त्रित किये गये हैं। यह जानकारी जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारी ने देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र यथा-खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय, एवं वाचनालय की स्थापना एवं सचालन, जैविक खेती, सौर उर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, सरक्षरता, आपदा प्रबन्धन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसाधन, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढावा देना, पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सकिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग इत्यादि क्षेत्रों में विगित 03 वर्षों में (दिनांक 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2024) उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा विवेकानन्द यूथ एवार्ड के लिए दिनांक 15 अगस्त 2024 तक आवेदन कर सकतें हैं। आवेदन फार्म किसी भी कार्य दिवस में जिला युवा कल्याण कार्यालय, मंझनपुर से प्राप्त कर सकतें हैं।

संदिग्ध दशा में अचेत मिले युवक की इलाज के दौरान मौत

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी के भटपुरवा गांव में एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था मौके पर एक साइकिल भी पड़ी थी गांव के लोगों ने युवक को अचेत देखा तो मामले की सूचना थाना पुलिस को दी मौके पर पहुँची पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है जहां युवक की मौत हो गई है मृतक युवक की पहचान राजेंद्र उम्र 35 वर्ष पुत्र रोशन लाल निवासी वार्ड नंबर 17 मंझनपुर के रूप में हुई है मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को जैसे मिले वह भी अस्पताल पहुंच गए हैं युवक की मौत कैसे हुई और राह चलते वह कैसे अचित हो गया यह रहस्य बना हुआ है युवक कोखराज थाना क्षेत्र के किसी गांव में एक व्यक्ति के घर भी गया था वह व्यक्ति कौन है जांच की जरूरत है

आम तोड़ने के विवाद में दबंगों ने किशोर को किया अधमरा

कौशांबी करारी थाना क्षेत्र के छिमिरछा गांव में आम तोड़ने के विवाद में 15 वर्षीय किशोर को दबंगों ने बेल्ट और डंडों से पीट - पीट कर अधमरा कर दिया। जिसका वीडियो भी किसी ने मारपीट के दौरान बना लिया। आरोप है कि उक्त दबंगों ने कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी हैं। मारते पीटते हुए वीडियो में साफ कहा जा रहा है कि इसे फर्जी केस में फंसवा दो। पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायती पत्र देते हुवे न्याय की गुहार लगाई है। आपको बता दे कि करारी थाना क्षेत्र के छिमिरछे गांव का रहने वाला 15 वर्षीय किशोर शनिवार की सुबह 10 बजे अपने खेत की जुताई करवाने के लिए जा रहा था रास्ते में एक आम की बाग से आम तोड़ लिया। आरोप है की आम तोड़ने पर विजय, अजय और लंगड़ कुमार आदि लोग गाली गलौज करने लगे पीड़ित किशोर ने गाली का विरोध करते कहा की गाली क्यों दे रहे हो आम का अपना पैसा ले लो। इतने में उक्त दबंग ने लाठी डंडे और बेल्ट से किशोर की पिटाई कर दी। जिससे बड़ी उमट आई और साथ ही गंभीर चोट आई मारपीट का वीडियो भी पीड़ित के पास मौजूद है। दबंग उल्टा खुद फर्जी केस में फसाने की पीड़ित परिवार को धमकी दे रहे हैं। पीड़ित किशोर की मां ने थाना करारी में शिकायती पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के दिलावरपुर के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया है जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया मौके से कार लेकर चालक फरार हो गया मौके पर पहुंची डायल 112 ने घायल को नजदीकी अस्पताल भेजा हालत नाजुक बताई जा रही है कार में सवार लोगों ने ड्राइवर का नाम और पता बताया है पुलिस छानबीन कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकती मिली युवक की लाश

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के दानपुर ग्राम सभा के पथरा इसहाकपुर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी से बंधी हुई लाश फंदे से लटक रही थी जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोगों ने युवक के शव को नीचे उतार लिया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बताया जाता है कि युवक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था युवक के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के दानपुर ग्राम सभा के मजरा पथरा इशहाकपुर निवासी अशोक कुमार चौधरी उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामदुलारे की शादी एक वर्ष पहले मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के सेवकुपुर गांव निवासी संगीता देवी से हुई थी शादी के कुछ दिन बाद से ही दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा होने लगा संगीता देवी अपने माईके सेवकूपुर चली गई दो दिन पहले युवक ससुराल पहुंचा था लोगों ने बताया कि वहां भी उससे झगड़ा हुआ है शनिवार की शाम लगभग 5:00 बजे लोगों ने देखा कि युवक के गांव दानपुर पथरा में उसका शव साड़ी से बंधा हुआ लटक रहा है जिस तरह से फंदे से शव लटक रहा है शव के पैर जमीन पर छू रहे हैं जीभ नहीं निकली है इससे आत्महत्या संदिग्ध प्रतीत होती है युवक की मौत कैसे हुई है यह सवाल खड़ा हो गया है सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना समाधान दिवस में पहुंचे डीएम एसपी सुनी फरियाद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले में थाना समाधान दिवस के अवसर पर एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने डीएम मधुसूदन हुल्गी के साथ थाना करारी व थाना सराय अकिल में जनसुनवाई कर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुए शिकायती प्रार्थना पत्रों में से कुछ का मौके पर ही निस्तारण कराया गया, शेष प्रकरणों में सम्बन्धित को त्वरित गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात एसपी एवं डीएम ने मोहर्रम व श्रावण मास/कांवड़ यात्रा त्यौहार के दृष्टिगत शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना सराय अकिल में सभी धर्म के धर्मगुरुओं व संभ्रांत नागरिकों एवं ताजियादारों के साथ मीटिंग की तथा ताजिया मार्गों, जुलूस आदि के सम्बन्ध में के आयोजकों/सदस्यों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा सर्वसम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

एसओ कोखराज इंद्रदेव व राजस्व निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह ने सुनी फरियाद

कोखराज कौशांबी समाधान दिवस कोखराज में एसओ कोखराज इंद्रदेव व राजस्व निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आम जनमानस व फरियादियों की समस्याओं को सुना गया और मामले का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने का सम्बंधित क्षेत्र के लेखपालों को आदेशित किया समाधान दिवस के मौके पर सोलह मामलें आये जिसमें 4 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। मौके पर एसओ कोखराज इन्द्रदेव व राजस्व निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह,चौकी प्रभारी शहजाद पुर,सियाकांत चौरसिया,लेखपाल लोकनाथ पांडेय,नरेंद्र सिंह, दिलीप कुमार,देवेंद्र सिंह, सुमित केशरवानी,कृष्णा नन्द, ज्ञान पाल, उमेश चन्द्र,नित्या पाल, अनुराधा वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

मंझनपुर मुख्यालय की सरकारी जमीनों पर कब्जे को लेकर नगर पालिका से लेकर तहसील प्रशासन बना उदासीन

अखड भारत संदेश

आखिर सरकारी जमीन को बचाने में जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों दिक्कतें होती है इसके पीछे उनका क्या स्वार्थ छिपा हुआ है

कौशाम्बी। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा रोकने के लिए लगातार योगी सरकार से लेकर उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय निर्देश दे रहा है लेकिन कौशांबी जनपद में सरकारी जमीनों पर कब्जे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं गांव के साथ नगर पंचायत क्षेत्र के साथ-साथ जनपद मुख्यालय मंझनपुर नगर पालिका की सरकारी जमीनों पर हो रहे अवैध तरीके से कब्जे पर प्रशासनिक कार्रवाई पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं लेकिन उसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी सरकारी जमीन के अवैध कब्जे को रोकने का प्रयास नहीं कर रहे हैं जिन सरकारी जमीनों पर कब्जे हो चुके हैं उन पर बुलडोजर चलाकर उन्हें खाली नहीं कराया जा रहा है जिससे सरकारी नुमाइनों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है मंझनपुर कस्बे के अंदर तहसील रोड पर श्री राम गेस्ट हाउस वाटिका जाने वाले सड़क के किनारे सरकारी जमीन पर 10 महीने पहले कब्जा शुरू हुआ शिकायतें हुई कुछ दिन के लिए कब्जा रुक गया फिर धीरे-धीरे कब्जा शुरू हुआ उसमें लोहे की गोमती रख दी गई फिर शिकायत हुई लेकिन गोमती नहीं हटाई गई मौके से लोग गायब हो गए धीरे-धीरे उस जमीन पर टीन सेट का निर्माण कर दिया गया और सरकारी जमीन पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया लेखपाल की भूमिका पर बड़े सवाल खड़े हो गए तहसील प्रशासन ईमानदारी की दुहाई देता रह गया और सरकारी जमीन कब्जा हो गयी इतना ही नही मंझनपुर कोतवाली के सामने सरकारी जमीन पर 14 वर्षों पहले कब्जा शुरू हुआ लुका छुपी का खेल 12 वर्षों तक चलता रहा अधिकारियों ने कई बार सरकारी जमीन की नाप कराई सरकारी जमीन प्रमाणित भी हुई लेकिन सरकारी जमीन को जिले के जिम्मेदार अफसर नहीं बचा सके और कब्जा करने वाले लोगों ने इमारत खड़ी कर दिया इस मामले में अभिलेखों में भी हेरा फेरी की गई है जिसकी जानकारी तहसील प्रशासन को बखूबी है लेकिन उसके बाद सरकारी जमीन कब्जे पर ठोस कार्यवाही प्रशासन नहीं कर सका कब्जा करने वाले लोगों के इमारत पर बुलडोजर नहीं चलाया गया जिससे नगर पालिका से लेकर तहसील प्रशासन के कार्यों पर सवाल खड़े हो गए हैं मंझनपुर मुख्यालय के ही ओसा रोड पर सड़क के दोनों तरफ कई सरकारी जमीनों पर कब्जा हो चुके हैं इसी तरह सिराथू रोड पर माचिस फैक्ट्री की जमीन पर भी पूरी तरह से कब्जा हो चुका है मंझनपुर मुख्यालय के मुख्य चौराहे पर कई सरकारी जमीनों पर कब्जे हो चुके हैं कई इमारत खड़ी हो चुकी है कार्यवाही के नाम पर जिम्मेदारों द्वारा ढिंढोरा पीटा जा रहा है इतना ही नहीं महामाया आवासीय छात्रावास के अगल-बगल की भी तमाम सरकारी जमीनों पर कब्ज हो चुका है इसी तरह पाता ग्राम पंचायत के नया पुरवा के पास रोडवेज बस स्टॉप के अगल-बगल तमाम सरकारी जमीनों में कब्जे हो चुके हैं जनपद मुख्यालय मंझनपुर की कई शत्रु संपत्ति पर भी कब्जे हो चुके हैं उसके बाद भी तहसील प्रशासन से लेकर नगर पालिका तक ईमानदारी की दुहाई दे रहा है आखिर सरकारी जमीन को बचाने में जिम्मेदार अधिकारियों को क्यों दिक्कतें होती है इसके पीछे उनका क्या स्वार्थ छिपा हुआ है यह बड़ी जांच का विषय है।

थाना प्रभारी संदीपनघाट का सीयूजी नम्बर रहता है बंद!

सूचनाओं के थाने तक ना पहुंचने से अपराध पर नहीं लग रही है रोक

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध के बाद थाना प्रभारी ने सरकारी मोबाइल सीयूजी को पूरी तरह से बंद कर दिया है जिससे आम जनता पीड़ित लोग थानेदार को फोन करके घटना दुर्घटना की सूचना नहीं दे पाते हैं इनका पर्सनल नंबर भी आम जनता के पास मौजूद नहीं है कुछ खास दलाल टाइप के लोगों को ही अपना पर्सनल नंबर देते हैं जिससे थाना क्षेत्र की सूचनाओं को समय से पहुँचाने में लोगों को दिक्कतें हो रही है सूचनाओं के थाने तक ना पहुंचने से अपराध पर रोक नहीं लग रही है और आम जनता को त्वरित राहत नहीं मिल रही है इलाके में अपराध और दुर्घटनाएं तेजी से बढ़े हैं संगठित अपराध का भी बोलवाला है जुआ सट्टे के धंधे बेखौफ चल रहे हैं गाँजा का कारोबार इलाके में फल फूल रहा है हरे पेड़ के कटान में लकड़ी माफिया का भी बोलबाला है लेकिन उसके बाद भी तानाशाह संदीपनघाट थाना प्रभारी का सीयूजी नम्बर हमेशा बन्द रहता है इलाके में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने से उनका कोई वास्ता नहीं है आखिर मुख्यमंत्री के निदेशों को अपने ठेंगो पर इन्होंने क्यो लगाया है उनकी कार्यशैली के बाद बड़े सवाल खड़े हो गए हैं संदीपन घाट थाना प्रभारी का सरकारी सीयूजी मोबाइल नंबर हमेशा बंद रहने के बाद भी अभी तक इस मामले को पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान में नहीं लिया है जबकि मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि सरकारी मोबाइल सीयूजी हमेशा चालू रखा जाए और जनता की फरियाद सुनी जाए लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देश की भी परवाह संदीपन घाट थाना प्रभारी को नहीं है जिससे उनकी तानाशाही का अंदाजा लगाया जा सकता है तानाशाही के जरिए थानेदारी करने वाले थानेदार पर कठोर कार्यवाही किए जाने की जरूरत है क्षेत्र के लोगों ने पुलिस महानिदेशक का ध्यान आकर्षित करते हुए सरकारी मोबाइल सीयूजी को हमेशा बंद रखने वाले संदीपन घाट थाना प्रभारी कौ निलंबित कर नए थानेदार की तैनाती की मांग की है।

सफाई कर्मी बना अफसर बिना ड्यूटी के 15 वर्षों से ले रहा वेतन

आखिर अफसर को सफाई कर्मी से क्या फायदे हैं यह बड़ी जांच का विषय है

कौशाम्बी। जिले में एक ऐसा सफाई कर्मी भी है जो अफसर बन चुका है विकास भवन कार्यालय में पूरे दिन कुर्सी में आराम करता है बिना ड्यूटी दिए 15 वर्ष से सफाई कर्मी को वेतन मिल रहा है आखिर सरकारी खजाना अफसर क्यों लूटवा रहे हैं जब काम नहीं तो दाम नहीं की तर्ज पर इसका वेतन रोक देना चाहिए और 15 वर्षों से दिए गए वेतन की रिकवरी कराए जाने की जरूरत है लेकिन उसके बाद भी यह सफाई कर्मी अफसर का खास है आखिर अफसर को सफाई कर्मी से क्या फायदे हैं यह बड़ी जांच का विषय है सफाईकर्मी के पद पर रामबाबू कार्यरत है, परन्तु यह अपनी तैनाती की तिथि से आज तक अपने तैनाती स्थल गांव में साफ-सफाई का कार्य नही कर रहा है इसका विगत 15 वर्षों से वेतन कैसे निकाला जा रहा है यह बड़ी जांच का विषय है यह सफाई कर्मी अफसर बन चुका है

गौरतलब है कि विगत 15 वर्ष से अधिक समय से जिला पंचायत राज अधिकारी, कौशाम्बी कार्यालय में सम्बद्ध होकर सफाईकर्मियों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियो से ट्रान्सफर, पोस्टिंग व रूके हुये वेतन को निकलवाने हेतु भारी-भरकम राशि लेकर उनका कार्य किया जाता है। मात्र बिल लिपिक के रूप में एक बाबू को नामित किया गया है, जबकि सारा कार्य रामबाबू सफाईकर्मी द्वारा किया जाता है। इसकी आय से अधिक सम्पत्ति की जॉच कराई जाए तो इसके कारनामे का खुलासा होना तय है। बिना ड्यूटी के 15 वर्षों से सफाई कर्मी को वेतन दिए जाने के मामले में पूर्व में कई बार सफाईकर्मियों द्वारा शिकायत की गयी परन्तु जिला पंचायत राज अधिकारी का खासमखास होने के कारण यह बार-बार बच जाता है। बिना ड्यूटी के वेतन लेने वाले सफाई कर्मी की शिकायत मुख्य विकास अधिकारी एवं तत्कालीन सांसद से भी हुई है, लेकिन अफसर के साथ सांसद भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सके हैं सफाई कर्मियों का कहना है कि कुछ दिनो के लिये इसे कार्यालय से हटाया गया था हटाए जाने के बाद अफसर को नींद नहीं आने लगी और फिर कुछ दिनो बाद फिर से कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया यह घोर कमीशनखोरी में लिप्त है मनबढ़ सफाई कर्मी के बड़बोलेपन का हाल यह है कि उसका कहना है कि मेरी शिकायत चाहे जहां कर लो और चाहे जिससे कर लो मेरा कोई कुछ बिगाड़ नही पायेगा।उसका कहना है कि विभाग के अफसरों की गर्ज होगी तो मुझे बुलायेंगे और लाख बार बुलायेंगे काफी मनबढ़ कर्मचारी और इसकी बोलचाल एवं व्यवहार से अधिकांश सफाई कर्मचारी असंतुष्ट है लेकिन अफसर संतुष्ट है जिससे बिना ड्यूटी दिए उसका वेतन दिया जा रहा है उसका बाल बांका नहीं हो रहा है जिससे जिला पंचायत राज अधिकारी के भ्रष्टाचार और तानाशाही का अंदाजा लगाया जा सकता है।

तालाब की जमीन पर एक लाख रुपया लेकर ग्राम प्रधान ने कराया कब्जा

लग्जरी वाहनों से लाठी डंडा लेकर पहुंचे दबंगों द्वारा मेडवाड़ा गांव में दिनदहाड़े आतंक अत्याचार की हद कर दी गई

कौशाम्बी। प्रयागराज जनपद के सदर तहसील क्षेत्र के एयरपोर्ट थाना अंतर्गत भीखपुर मेडवाड़ा गांव के अकबरपुर चौराहे की वेशकीमती सरकारी तालाब की जमीन पर कई लोगों ने जबरिया कब्जा कर लिया है मामले की शिकायत भी अधिकारियों से हुई है आरोप है कि ग्राम प्रधान सोनू कुशवाहा ने तालाब की सरकारी जमीन पर कब्जा कराने के नाम पर कब्जा करने वाले लोगों से 100000 की रकम अधिकारियों के नाम पर वसूल ली है प्रधान द्वारा वसूली गई रकम में अब कौन-कौन अधिकारी हिस्सेदार है यह तो जांच का विषय है बताया जाता है कि पंचम लाल कुशवाहा राम अवतार कुशवाहा बुद्दल पासी सहित कई लोगों ने सरकारी तालाब की जमीन पर कब्जा कर लिया है जिस सरकारी तालाब की जमीन पर कब्जा किया गया है उसकी कीमत लाखों में बताई जाती है लेकिन सरकारी तालाब को सुरक्षित करने के लिए तहसील के एसडीएम नायब तहसीलदार और तहसीलदार ने भी कब्जा धारकों पर अभी तक कार्रवाई नहीं की है जिससे लेखपाल की भूमिका पर भी सवाल खड़े हैं तालाब के एक हिस्से की जमीन पर शुभम केशरवानी अपनी गाड़ी खड़ी कर देते थे शुभम केशरवानी को भी इन दबंगो ने गाली गलौज किया है उन्हें जान से मारने की धमकी दी है और कहां है कि दोबारा इस जमीन पर गाड़ी खड़े किया तो तुम्हारी गाड़ी में आग लगाकर जला देंगे जिससे शुभम केशरवानी का परिवार भयभीत है। मेडवाड़ा गांव के सरकारी तालाब में कब्जा करने को लेकर शनिवार को दो लग्जरी वाहनों से लाठी डंडे लेकर दर्जनो दबंग मौके पर पहुंचे हैं घटना स्थल पर जमकर उत्पात मचाया है लग्जरी वाहनों से पहुंचे लोगों ने जिस तरह से घटनास्थल पर उत्पात मचाया है इससे यही लगता है कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गया है पुलिस का खौफ गुंडो को नहीं है लाठी डंडा लेकर लग्जरी वाहनों से पहुंचे दर्जनों लोगों द्वारा बेखौफ तरीके से लोगों के साथ गाली गलौज की गई है और लोगों के छप्पर झोपड़ी को उखाड़ कर फेंक दिया गया है गुंडो के आगे कानून लंगड़ा दिखाई पड़ रहा था मेडवाड़ा गांव में दिनदहाड़े गुंडों की फौज द्वारा कई घण्टे आतंक अत्याचार की हद कर दी गई है लाठी डंडा लेकर लग्जरी वाहनों से पहुंचे दबंगो द्वारा लोगो के सामान को तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिया गया जिस तरह से शनिवार को मेडवाड़ा गांव में दिन दहाड़े खुलेआम गुंडई की गई है योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं खुलेआम गुंडई करने वाले लोगों पर अंकुश लगाना होगा इन पर मुकदमा लिखना होगा इन की गिरफ्तार कर जेल भेजना होगा वरना पूरी तरह से कानून व्यवस्था चौपट हो जाएगी और दूसरे गुंडों का भी मन बढ़ जाएगा।

संपादक की कलम से

कम कीमत में अच्छे इलाज की अनूठी पहल

सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का त्रिस्तरीय ढांचा है। सबसे पहले ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जिन्हें गांव में समुदाय द्वारा चुना जाता है। और जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों की टीम इन्हें प्रशिक्षित करती है। दूसरे स्तर पर उपस्वास्थ्य केन्द्र हैं, जहां वरिष्ठ कार्यकर्ता होते हैं और तीसरे स्तर पर गनियारी का अस्पताल है। जहां गंभीर व जटिल बीमारियों के लिए मरीजों को लाया जाता है। बिलासपुर जिले के कोटा-लोरमी क्षेत्र के 70 से भी अधिक गांवों में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जरिए बीमारियों का इलाज व उनकी रोकथाम की कोशिश की जाती है।

किसी भी बीमारी को ठीक करने के लिए दवा और उपचार ही पर्याप्त नहीं है, उसकी रोकथाम और उससे बचाव भी जरूरी है। इसमें पौष्टिक भोजन, व्यायाम और नियमित दिनचर्या भी मददगार है। आज इस कॉलम में छत्तीसगढ़ के एक छोटे से कस्बे गनियारी में चल रही पहल के बारे में चर्चा करना चाहूंगा, जिससे हम स्वास्थ्य को समग्रता में समझ सकें। हाल ही मुझे यहां जाने और करीब से देखने का मौका मिला। हालांकि इससे पहले भी मैं कई बार यहां आया हूं। गनियारी छोटा कस्बा है, लेकिन अस्पताल के कारण इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैल चुकी है। यहां इलाज कराने के लिए बहुत दूर से लोग आते हैं। कई लोग तो एक दिन पहले ही आ जाते हैं, जिससे अगले दिन जल्दी उनकी बारी आ जाए।

बिलासपुर जिले के कस्बे गनियारी स्थित इस संस्था का नाम जनस्वास्थ्य सहयोग है। इसकी स्थापना वर्ष 1999 में हुई। संस्था की शुरूआत देश की मौजूदा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की हालत से चिंतित होकर दिल्ली के कुछ डॉक्टरों ने की थी। यह डॉक्टर जाने-माने दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) से निकले थे। यहां आने से पूर्व इन्होंने देशभर में घूमकर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया था, जहां वे उनकी सेवाएं दे सकें। और अंततः देश के गरीब इलाकों में से एक छत्तीसगढ़ के एक कस्बे में उन्होंने काम प्रारंभ किया।

यहां के डॉक्टर मानते हैं कि कुछ रोग कुपोषण से जुड़े हैं, इसलिए कुपोषण दूर करना जरूरी है। बीमारी को ठीक करने के लिए दवा और उपचार करना ही पर्याप्त नहीं है, उसकी रोकथाम करना भी जरूरी है। इसलिए पौष्टिक अनाजों की खेती के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया जाता है। यहां जंगली खाद्यों के महत्व को ग्रामीणों से साझा किया जाता है। छोटे बच्चों के कुपोषण दूर करने के लिए फुलवारी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। टिकाऊ आजीविका के लिए स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान दिया गया है

इस केन्द्र की उपयोगिता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2000 में बिना किसी औपचारिकता के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) शुरू हुआ था और मात्र 3 माह के अंदर यहां प्रतिदिन आनेवाले मरीजों की संख्या 250 तक पहुंच गई थी। अब ओपीडी में रोज करीब 300 मरीजों की जांच व इलाज होता है। यह सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को होती है।

यहां एक बड़ा अस्पताल है। बाल चिकित्सा देखभाल इकाई, नवजात गहन देखभाल इकाई, कीमोथैरेपी वार्ड, टीबी वार्ड, प्रसव वार्ड इत्यादि हैं। शल्य चिकित्सा कक्ष है। कुष्ठ रोग से लेकर टीबी, कैंसर का भी इलाज होता है। परिसर में रहने और भोजन की सुविधा उपलब्ध है। धर्मशाला भी है। सस्ते में खाने की थाली मिलती है। यह सुविधा मरीज के साथ उसके देखभालकताओं को भी उपलब्ध है।

सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का त्रिस्तरीय ढांचा है। सबसे पहले ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं, जिन्हें गांव में समुदाय द्वारा चुना जाता है। और जन स्वास्थ्य सहयोग के डॉक्टरों की टीम इन्हें प्रशिक्षित करती है। दूसरे स्तर पर उपस्वास्थ्य केन्द्र हैं, जहां वरिष्ठ कार्यकर्ता होते हैं और तीसरे स्तर पर गनियारी का अस्पताल है। जहां गंभीर व जटिल बीमारियों के लिए मरीजों को लाया जाता है।

बिलासपुर जिले के कोटा-लोरमी क्षेत्र के 70 से भी अधिक गांवों में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जरिए बीमारियों का इलाज व उनकी रोकथाम की कोशिश की जाती है। इस ग्रामीण सामुदायिक कार्यक्रम के तहत गांव की 70 महिला स्वास्थ्य कार्यकताओं का प्रशिक्षण किया गया है। इनमें से अधिकांश महिलाएं बिना पढ़ी-लिखी या कम पढ़ी-लिखी हैं।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए योग्यता पढ़ाई-लिखाई नहीं, सेवा भावना होती है। कई सालों से इस कार्यक्रम को संचालित करने में ऐसी अनुभवी महिलाओं का योगदान है। यह कार्यकर्ता गंभीर मरीजों को खुद अस्पताल लेकर आती हैं, और इलाज करवाती हैं। इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है, तीन उपस्वास्थ्य केन्द्र जो सेमरिया, शिवतराई और बम्हनी में बनाए गए हैं।

शिवतराई व बम्हनी, अचानकमार अभयारण्य के अंदर के गांव हैं। बम्हनी तक पहुंच मार्ग नहीं है। रास्ते में मनियारी नदी है, जिसमें बारिश के दिनों में बाढ़ होती है।

आपातकाल का लगना अपने आप में संविधान की हत्या ही था

यह समझे जाने की जरूरत है कि आखिर केंद्र की मोदी सरकार को 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाए जाने की अधिघोषणा क्यों करनी पड़ी है। आखिर हम उस दिन को कैसे भूल सकते हैं, जब संविधान की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए, उसके अध्यायों का तिरस्कार करते हुए जनता की आजादी को कैद कर दिया गया था। 25 जून 1975 का वह दिन देश के इतिहास में सदैव ऐसे अंधेरे दौर के रूप में जाना जाएगा, जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक होने का दावा करने वाले देश में नागरिकों की आजादी को खत्म कर दिया गया था और ऐसा तत्कालीन कांग्रेस सरकार की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से किया गया। वास्तव में यह विषय अंतहीन बहस का है, लेकिन इसका सार एक लाइन का यह है कि आखिर उस दिन को और उस दौर को कैसे भुलाया जा सकता है। तब क्या यह जरूरी नहीं है कि उस फैसले की कड़वी स्मृति को मौजूदा और आगामी पीढ़ी के ध्यान में लाने के लिए ऐसा कुछ सख्त निर्णय लिया जाए।

बेशक, यह एक राजनीतिक फैसला है और हालिया लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों की ओर से भाजपा पर सत्ता में आने के बाद संविधान बदल देंगे के आरोपों की काट के लिए ऐसा किया गया है। लेकिन वस्तुस्थिति यही है कि देश में लोगों को गुमराह होने से रोकने के लिए यह बताना जरूरी है कि इसी आजाद देश के इतिहास में वह दौर भी था, जब इसी संविधान के एक प्रावधान का दुरुपयोग करते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नागरिकों की संवैधानिक आजादी को छीन लिया था। और अब उस बात को भुलाकर जनता को गुमराह करते हुए वोट हासिल कर केंद्र में सत्ता प्राप्ति के प्रयास किए जा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस ने इसे अपने हथियार की तरह इस्तेमाल किया है कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो वह संविधान बदल देगी। देश की जनता के समक्ष बार-बार संविधान की वह डायरीनुमा पुस्तक दिखाई गई। हालांकि जनता ने एक बात को बार-बार सुना तो यही समझा कि हां ऐसा कुछ हो सकता है। लेकिन कोई यह नहीं बता सका कि आखिर दो कार्यकाल पूरा कर चुकी मोदी सरकार ने इस दौरान तो संविधान को नहीं बदला। क्या अनुच्छेद 370 को खत्म करना संविधान बदलना कहा जाएगा। क्या समान नागरिक संहिता जिसका वर्णन संविधान में है, की बात करना संविधान बदलना है। क्या मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से निजात दिलाना संविधान बदलना है।

क्या सचमुच हमारा संविधान मर चुका है ?

@ राकेश अचल

भारत सरकार ने एक राजपत्र जारी कर 25 जून को हर साल 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का फैसला किया है। सरकार इस तरह का क्या,किसी भी तरह का कोई भी फैसला कर सकती है। इस फैसले का अंधभक्त स्वागत करेंगे और विपक्ष शायद विरोध ,लेकिन एक आम नागरिक और नामालूम लेखक होने के नाते मै इस फैसले को हास्यास्पद कह रहा हूँ, क्योंकि क्या सचमुच हमारा संविधान मर चुका है ?

भारत सरकार ने एक राजपत्र जारी कर 25 जून को हर साल 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का फैसला किया है। सरकार इस तरह का क्या, किसी भी तरह का कोई भी फैसला कर सकती है। इस फैसले का अंधभक्त स्वागत करेंगे और विपक्ष शायद विरोध, लेकिन एक आम नागरिक और नामालूम लेखक होने के नाते मै इस फैसले को हास्यास्पद कह रहा हूँ, क्योंकि यदि देश का संविधान मर चुका होता तो बीते 9 जून को किस संविधान की कसम खाकर माननीय लोगों ने देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है ? संविधान एक लिखित प्रज्ञा है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा वेद, सबसे बड़ा पुराण, सबसे बड़ी किंवदंती। यदि ये मर गया होता तो 1975 के बाद देश में लोकतंत्र बचता ही नहीं। देश में ढाई साल की खिचड़ी सरकार के बाद देश की जनता ने 1980 में उसी कांग्रेस को, उन्हीं इंदिरा गाँधी को दोबारा देश की सत्ता सौंपी जिन्हें संविधान की हत्या का दोषी मानने वाली आज की सरकार 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने जा रही है। क्योंकि अब मौजूदा सरकार पर ही संविधान से खिलवाड़ करने का आरोप आयद किया जा चुका है।

चूंकि मै कानून का छात्र रहा हूँ इसलिए मैंने देश के संविधान को न केवल पाठ्यक्रम में अपितु सामान्य तौर पर अनेक बार पढ़ा है। मैंने संविधान का इस्तेमाल देश सेवा की झूठी कसमें खाने के लिए कभी नहीं किया। जहाँ तक मेरी जानकारी है तो आपातकाल की घोषणा संवैधानिक नियमों के तहत की गई थी लेकिन आपातकाल के दौरान 1971 में पारित आंतरिक सुरक्षा अधिनियम का दुरूपयोग किया गया था।

देश में आपातकाल के हटने के फौरन बाद बनी खिचड़ी सरकार ने इस अधिनियम को 1979 में समाप्त किया गया था और संविधान के 44वें संसोधन के जरिए संवैधानिक आपातकाल को लागू करने के लिए इतने उपबंध जोड़ दिये गये जिससे आपातकाल लागू करना असंभव सा हो गया। भाजपा यदि लोकसभा चुनाव में 400 पार कर जाती तो आपातकाल लागू करने का प्रावधान फिर संविधान में जोड़ा जा सकता था। लेकिन ये हो न सका।

संविधान हत्या दिवस मनाने वाले देश में बिना आपातकाल की घोषणा किये आपातकाल जैसा माहौल बनाये हुए हैं लेकिन औपचारिक रूप से आपातकाल

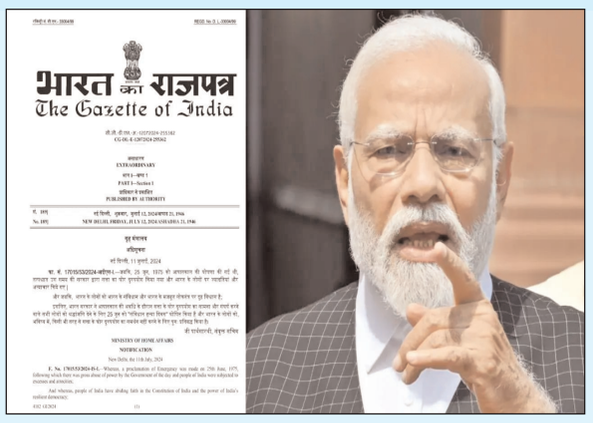

की घोष्णा नहीं कर पा रहे हैं। हालाँकि मंशा इंदिरा गाँधी की ही तरह आपातकाल लागू करने की है। दुनिया को पता है कि भारत में 2014 से अघोषित आपातकाल लगा हुआ है। हकीकत ये है कि हमारी मौजूदा सरकार संविधान से खिलवाड़ के आरोपों से मुक्ति पाने के लिए पचास साल बाद एक बार फिर आपातकाल का हौवा खड़ा कर अपना उल्लू सीधा करना चाह रही है, लेकिन उल्लू टेढ़ा का टेढ़ा है। कभी-कभी मुझे लगता है कि सरकार भाजपा सांसद कंगना रनौत की बहुप्रतिक्षित फिल्म इमरजेंसी का लगातार असंवैधानिक तरीके से प्रमोशन पूरी सरकार कर रही है। इस फील्म की रिलीज लोकसभा चुनाव की वजह से टल गयी थी। इमरजेंसी यानि आपातकाल पर पहले भी 'किस्सा कुर्सी का' और आंधी जैसी फिल्में बन चुकीं है। यदि आप भूले न हों तो माननीय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री हैं क्योंकि भाजपा संसदीय दल के नेता का औपचारिक चुनाव प्रतिक्षित हैं। अपने ही दल के संविधान की हत्या कर सत्ता में आये मोदी जी संविधान हत्या दिवस शब्द का चयन कर वास्तव में संविधान का क्या हाल वे खुद करना चाह रहे थे। जो एनडीए मोदी जी के नेतृत्व में लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद संवैधानिक परंपराओं के तहत विपक्ष को नहीं देना चाहता है वह निहायत ही बेशर्मी से संविधान हत्या दिवस मना सकते हैं। संविधान हत्या दिवस मनाने के लिए राजपत्र का सहारा लेना ही एक नासमझी है। यदि सचमुच माननीय ने एक मरे हुए संविधान की शपथ ली है तो उन्हें 'हत्या ' जैसे हिंसक शब्द का इस्तेमाल करने और संविधान का अनादर करने से कोई नहीं रोक सकता।

संविधान की हत्या तो नहीं लेकिन उसके साथ खिलवाड़ की जितनी कोशिशें आज हो रहीं हैं। उतनी कोशिशे आपातकाल के 19 महीनों में भी नहीं हुईं। अन्यथा मनु स्मृति को पाठ्यक्रम में शामिल करने का असफल प्रयास नहीं किया जाता। आप खुद पता कर सकते हैं कि कौन महापुरुष मनु स्मृति को संविधान के स्थान पर लाना चाहते थे। दरअसल भाजपा को जो काम करना है उसे सरकार कर रही है। केन्द्र सरकार लोकसभा चुनाव के समय विपक्ष द्वारा 'संविधान पर खतरे' की मुहिम चलने से आहत है। विपक्ष ने खासतौर पर कांग्रेस ने जनता को संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ के प्रति जाग्रत करने में कामयाबी हासिल की है, और इसी से भयभीत होकर केंद्र की सरकार ने एक बचकाना संकल्प ले लिया है।

राज पत्र या किसी अध्यादेश की भाषा कैसी हो इसका भान शायद सरकार को नहीं है। सरकार के पास भाषाविद हैं ही नहीं हैं, या हैं तो वे अधिकांश संघ के प्रचारक है अन जो ठकुरसुहाती करने में दक्ष हैं। यदि ऐसा न होता तो सरकार संविधान हत्या दिवस मनाने की भूल न करती। मेरा तो सुझाव है कि सरकार अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ साहित्यकारों के समूह को रखे ताकि भाषा की मयार्दा भाषण और अधिनियमों के निर्माण में भी दिखे।

मै आपातकाल का समर्थक न कल था, न आज हूँ और न कल रहूंगा। मेरी स्पष्ट धारणा है कि आपाताकाल कांग्रेस के तबके कुछ उत्साहीलालों की वजह से बदनाम हुआ, क्योंकि उन लोगों ने संवैधानिक अधिकारों और शक्तियों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश की। इस लिहाज से कांग्रेस ने संविधान की हत्या नहीं की अपितु संविधान का अपमान किया और उसकी सजा जनता ने 1977 में कांग्रेस को सत्ताच्युत कर दे दी। अब पचास साल बाद भी आपातकाल की गागरोनी गाना सत्तारूढ़ दल और सरकार के सबसे बड़े घटक के मानसिक दिवालियापन का प्रतीक है।

सरकार के हास्यास्पद फैसले का प्रतिकार करने में कांग्रेस शायद पिछड़ गयी लेकिन सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर तीखा प्रहार लिया। उन्होंने कहा की -बीजेपी बताए कि वह अपने काले दिनों के लिए कौन सी तारीख चुनेगी ? अखिलेश ने एक्स पर लिखा-"30 जनवरी को ह्यबापू हत्या दिवसह्न व ह्यलोकतंत्र हत्या दिवसह्न के संयुक्त दिवस के रूप में मनाना चाहिए क्योंकि इसी दिन चंडीगढ़ में भाजपा ने मेयर चुनाव में धांधली की थी।"

मुझे अंदेशा है कि भारत सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला विपक्ष के संविधान बचाओ नारे के काट के रूप में लाया गया है, लेकिन ये दांव उलटा भी पड़ सकता है। बहरहाल देश के सामने एक नया जुमला उछाला जा चुका है। आइये हम सब तेल देखें और तेल की धार भी देखें। अगले साल आप 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाये या न मनाएं, ये आपके विवेक पर निर्भर करता ह। यदि सरकार तब तक बनी रही तो सरकार तो ये दिवस मनाकर मानेगी।

भाजपा का मनुवादी चेहरा बेनकाब

- प्रो. रविकांत

सदियों से जारी दलितों का अपमान और उत्पीड़न आजादी के बाद भी कमोबेश जारी है। हालांकि संविधान और कानून के अधिकारों ने उन्हें सुरक्षा जरूर प्रदान की है, लेकिन समाज में जड़ें जमाए ब्राह्मणवादी सामंतवाद के अहंकार और दमन के आगे भूमिहीन, कमजोर, अशिक्षित दलित अपमानित होने और मरने-पिटने के लिए अभिशप्त है। हालांकि, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था और आरक्षण के अधिकार से दलितों के भीतर एक छोटा सा मध्यवर्ग उभरा है। सामाजिक जागरूकता पैदा हुई है।

कर्नाटक भाजपा के सात बार के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश जिगाजिनागी ने अपनी ही पार्टी पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया है। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले दस साल से खामोश आवाजें अब मुखर होने लगी हैं। इसका एक कारण जाहिर तौर पर नरेंद्र मोदी की गठबंधन सरकार है। भाजपा के 240 सीटों पर सिमटने के बावजूद नरेंद्र मोदी अपनी सरकार बनाने में कामयाब हुए। लेकिन उनकी कैबिनेट में दलितों को कोई तबज्जो नहीं मिली। पिछली बार राज्यमंत्री रहे रमेश जिगाजिनागी को इस बार कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की उम्मीद थी। उन्होंने अपने समर्थकों के जरिए यह आरोप लगाया है कि भाजपा दलित विरोधी पार्टी है। बीजेपी में सवर्णों का दबदबा है। सवर्णों को ही मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। जाहिर तौर पर यह कोई नई बात नहीं है लेकिन भाजपा के ही एक वरिष्ठ दलित सांसद द्वारा लगाए गए आरोप के अपने मायने हैं।

सदियों से जारी दलितों का अपमान और उत्पीड़न आजादी के बाद भी कमोबेश जारी है। हालांकि संविधान और कानून के अधिकारों ने उन्हें सुरक्षा जरूर प्रदान की है, लेकिन समाज में जड़ें जमाए ब्राह्मणवादी सामंतवाद के अहंकार और दमन के आगे भूमिहीन, कमजोर, अशिक्षित दलित अपमानित होने और मरने-पिटने के लिए अभिशप्त है। हालांकि, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था और आरक्षण के अधिकार से दलितों के भीतर एक छोटा सा मध्यवर्ग उभरा है। सामाजिक जागरूकता पैदा हुई है। राजनीतिक चेतना के जरिए दलित अपना एजेंडा और प्रतिनिधित्व के अधिकार को समझने लगे हैं। लेकिन ब्राह्मणवादी ताकतें इस परिवर्तन को मिटाने के लिए सक्रिय रही हैं। भारत की समावेशी और सामाजिक न्याय की राजनीति के बरक्स आजादी के बाद ही हिंदुत्व की राजनीति शुरू हुई। आरएसएस इस राजनीति का संचालक और बौद्धिक केंद्र है। आरएसएस ने पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में 1951 में भारतीय जनसंघ को खड़ा किया। जनसंघ के जरिए आरएसएस को पहली बार सत्ता में पहुंचने का मौका जनता पार्टी की सरकार (1978 -1980) में मिला।

जनता पार्टी की सरकार बिखरने के बाद जनसंघ अलग हो गया। 1980 में आरएसएस ने जनसंघ के स्थान पर भाजपा का गठन किया। इसके बाद उसने दलितों को भाजपा के साथ जोड़ने के लिए 1983 में सामाजिक समरसता मंच बनाया। यह मंच दलितों का हिन्दुत्वीकरण करने की प्रयोगशाला बना। राम मंदिर आंदोलन में दलितों की भागीदारी ने आरएसएस बीजेपी को सत्ता में पहुंचने की उम्मीदों को पंख दे दिए। एक दलित कामेश्वर चौपाल से प्रतीकात्मक मंदिर की पहली ईंट रखवाई गई। दलितों के अतीत और स्मृतियों को मिटाने के लिए अनेक कुचक्र रचे गए।

दलितों के मसीहा और संविधान निमार्ता बाबा साहब अंबेडकर का परिनिर्वाण 6 दिसंबर 1956 को हुआ था। दलित समाज के लिए यह प्रेरणा का दिन है। इस दिन की स्मृतियों को मिटाने के लिए बहुत सोची-समझी रणनीति के तहत 1992 में बाबरी मस्जिद को तोड़ दिया गया। आरएसएस, बीजेपी, हिंदू महासभा और अन्य हिंदुत्ववादी संगठन 6 दिसंबर को शौर्य दिवस के रूप में मनाते हैं। दलितों की चेतना कुंद करके सत्ता हासिल करने के लिए दलितों का इस्तेमाल करना बीजेपी-आरएसएस की रणनीति है। सामाजिक न्याय को सामाजिक समरसता में बदल दिया गया। इसका लक्ष्य है, जाति व्यवस्था और असमानता बनाए रखते हुए मुसलमानों-ईसाइयों के खिलाफ हिंदू एकता स्थापित करना।

बाबा साहेब अंबेडकर ने 25 दिसंबर 1927 को मनुस्मृति का दहन किया था। बाबा साहब का स्पष्ट मानना था कि जाति व्यवस्था और दलितों के दमन को धर्मग्रंथों के जरिए ईश्वरीय मान्यता प्रदान की गई है। इसलिए धर्मग्रंथों को विस्फोटक से उड़ा देना चाहिए। बीजेपी-आरएसएस का हिंदुत्व, दरअसल नया ब्राह्मणवाद है। धर्म, धर्मग्रंथ, मंदिर और ईश्वर की प्रतीकात्मक राजनीति के जरिए पुनः समाज में वर्ण-जाति व्यवस्था लागू करके सवर्ण वर्चस्ववाद को स्थापित करना ही हिंदुत्व का उद्देश्य है। इसलिए मनुस्मृति दहन दिवस की स्मृतियों को मिटाने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसंबर) को बड़े पैमाने पर मनाया जाने लगा और इसे सुशासन दिवस की संज्ञा दी गई।

आखिर हमारे डॉक्टरों को क्या बीमारी है ?

- संजना ब्रह्मवार मोहन

मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं। यह सख्ती कमजोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे 'घर में ही रहते हैं' और वह भी कई हफ्तों तक रहते हैं

स्वास्थ्य सेवा के 'व्यवसायीकरण' पर आवाजें उठ रही हैं। अनेक कहानियां सामने आ रही हैं। हाल ही में किडनी प्रत्यारोपण के बारे में आई रिपोर्ट इसका एक उदाहरण है। लगता है कि इस स्थिति के जवाब में भारतीय न्याय संहिता इस 'डॉक्टर्स डे' पर लागू हुई, जिसमें लापरवाही का दोषी पाए जाने पर डॉक्टरों को जेल की सजा का प्रावधान है। नीट परीक्षा में कई त्रुटियों और पीजी प्रवेश परीक्षाओं के स्थगन ने भारत में चिकित्सा शिक्षा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। जैसे-जैसे हम परीक्षा प्रक्रियाओं का पुनर्निर्माण करना शुरू करते हैं, यह देखना उचित होगा कि और क्या करने की आवश्यकता है ताकि हमारे डॉक्टर अपने काम में शीर्ष पर रहें।

ग्रामीण आदिवासी राजस्थान में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के हमारे दशक भर के काम में हमने बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों के साथ काम किया है और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में काम करने वाले कई लोगों से बातचीत की है। हमने डॉक्टरों को ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। इनके आधार पर हम कुछ प्राथमिकताएं साझा करते हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

एक लोकप्रिय शिकायत यह है कि पुराने जमाने के एमबीबीएस डॉक्टर आज के समय के डॉक्टरों से ज्यादा चिकित्सा के बारे में जानते थे और वे स्वतंत्र रूप से मरीजों को देख सकते थे। हममें से बहुतों को याद होगा कि डॉक्टर ब्रीफकेस लेकर हमारे घर आते थे, बीमारों को देखते थे और वहीं पर इलाज करते थे। वे लगभग गायब हो चुके हैं। मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं।

यह सख्ती कमजोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे 'घर में ही रहते हैं' और वह भी कई हफ्तों तक रहते हैं। उन्होंने दुख जताया कि उनके शिक्षकों के पास उनके लिए बहुत कम समय है। 'लोग सिर्फ मुंह हैं, कान नहीं', यह बात हम अक्सर सुनते हैं। 'आपका काम मरीजों का इलाज करना है, सहानुभूति दिखाना नहीं'- एक वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ ने एक बार उनमें से एक को यह कहकर डांटा था।

हम निजी मेडिकल कॉलेजों से भी कहानी का दूसरा पहलू सुनते हैं। डॉक्टर बनने वाले लोग बहुत अमीर परिवारों से आते हैं, आलीशान कारों में घूमते हैं, अपनी कक्षाओं में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। उनमें से कई के अभिभावकों ने नर्सिंग होम या अस्पताल बना लिए हैं, जहां उनके बच्चे पढ़ाई पूरी कर आने के बाद प्रैक्टिस कर सकें। कई बार प्रबंधन शिक्षकों पर दबाव डालता है कि वे उन्हें पास कर दें और न रोकें।

तीसरा समूह जो तेजी से बढ़ रहा है, वह चीन, रूस, अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों में अपनी चिकित्सा शिक्षा पूरी करने वाले छात्र हैं। भारतीय मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण की खराब गुणवत्ता के बावजूद विदेशी शिक्षित डॉक्टरों और स्थानीय डॉक्टरों के बीच व्यापक अंतर है। मरीजों से बात करते समय जानकारी का कोई स्पष्ट प्रवाह नहीं होता है, साथ ही चिकित्सा की कई बुनियादी बातों के बारे में भी जानकारी का अभाव है।

ऐसा नहीं चल सकता। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि डॉक्टर बनने वाले सभी लोगों के पास ज्ञान और कौशल दोनों हों; और उनके पास सहानुभूति हो जो एक डॉक्टर के लिए जरूरी है।

कुछ महीने पहले हमारे एक डॉक्टर को एक मित्र का फोन आया, जो एक पीएचसी में काम करने वाला डॉक्टर था। उसने हाल ही में मलेरिया से पीड़ित एक मरीज का निदान किया था और यह पूछने के लिए फोन कर रहा था कि उसे क्या उपचार दिया जाए। स्वतंत्र रूप से काम करने वाले डॉक्टरों के लिए मार्गदर्शन की यह जरूरत अपेक्षित है क्योंकि एक दिन में वे कई संक्रमणों (टीबी, मलेरिया आदि), गैर-संचारी रोगों, जटिलताओं वाली गर्भवती महिलाओं को देख सकते हैं। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को टांके लगा सकते हैं और प्रसव भी करवा सकते हैं।

इस जरूरत ने भारत के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले हम डॉक्टरों को एक समूह के रूप में एक साथ आने के लिए मजबूर कर दिया। हम अपने सवाल समूह में पोस्ट करते हैं या मार्गदर्शन के लिए किसी विशेषज्ञ को बुलाते हैं व पूछते हैं- आप मधुमेह से पीड़ित एक युवा महिला में रक्त शर्करा के उतार-चढ़ाव को कैसे प्रबंधित करते हैं? आप गर्भवती महिला में मलेरिया का इलाज कैसे करते हैं? हम हफ्ते में एक बार ऑनलाइन मिलते हैं नए ज्ञान, केस स्टडीज को साझा करने और सवाल पूछने के लिए। ग्रामीण इलाकों में पीएचसी और शहरों के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों के साथ बातचीत करते हुए हम देखते हैं कि जब उन्हें संदेह होता है, तो उनके पास बहुत कम साथी या वरिष्ठजन होते हैं।

हमें डॉक्टरों के लिए ऐसी व्यवस्था करने की आवश्यकता है जिससे उन्हें अपने प्रश्नों के उत्तर मिल सकें तथा यह सुनिश्चित हो सके कि वे नई जानकारी से अपडेट रहें, जो जरूरी नहीं कि दवा कंपनियों से ही आ रही हो। पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए परीक्षाएं शुरू करने की बात चल रही है। इससे मदद मिलेगी, लेकिन हमें और भी कुछ करने की जरूरत है।

हमारे न्यूज चैनल और सोशल मीडिया पर किस तरह की खबरें आती रहती हैं? आजकल भारत के विश्व कप जीतने और किसी सेलिब्रिटी की शादी के बारे में बहुत कुछ बताया जाता है। किडनी ट्रांसप्लांट जैसी संभावित गलत हरकतों की कहानियों पर ध्यान दिया जाता है लेकिन उन खबरों के बारे में क्या कहा जाता है जिनमें जान बचाई जाती है?

एक हफ्ते पहले एक महिला को एक्लेम्पसिया के साथ हमारे क्लिनिक से उदयपुर रेफर किया गया था, जो 120 किलोमीटर दूर है। जब वह अस्पताल पहुंची तो उसे 3 घंटे से ज्यादा समय से दौरे पड़ रहे थे और वह मुश्किल से होश में थी। उसे बचाया जाना स्त्री रोग विशेषज्ञों और नर्सों द्वारा उसे दिए गए त्वरित उपचार का ही नतीजा था।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटे 29411 मामले

नौ करोड सात लाख 21 हजार 948 रुपये बतौर जुर्माना वसूला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रीय लोक अदालत में 29411 मामलों का निस्तारण कर 90721948 नौ करोड सात लाख 21 हजार 948 रुपये बतौर जुर्माना वसूला। बैंक ऋण वसूली भी हुई।

शनिवार जिला जज विकास कुमार प्रथम की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत कचहरी में लगी। लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी श्रीकृष्ण यादव, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय राकेश कुमार यादव, अपर जिला जज प्रथम अनुराग कुरील, विशेष न्यायाधीश राममणि पाठक, विशेष न्यायाधीश पाक्सो रेनू मिश्रा, अपर जिला न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव, अपर जिला जज श्रीमती नीलू मेनवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारतीय, सिविल जज (सीडी) सूर्यकान्त धर दुबे, अपर सिविल जज (सीडि) सचिन कुमार दीक्षित, अपर सिविल जज (सीडि) श्रीमती इला चैधरी, सिविल जज (सीडि) सुश्री सोनम गुप्ता, सिविल जज (जूडि) श्रीमती सैफाली यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम सुश्री अंजलिका प्रियदर्शिनी, न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मानिकपुर सुश्री खुशबू चन्द्रा, डिप्टी जोनल मैनेजर इण्डियन बैंक प्रयागराज सतीशचंद्र गुप्ता, अग्रणी जिला प्रबन्धक इण्डियन बैंक अनुराग शर्मा व अन्य बैंकों के प्रबन्धकों की मौजूदगी में लोक अदालत में जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने दो सिविल व पांच फौजदारी वाद निस्तारित कर 122500 रुपये जुर्माना किया। न्यायिक अधिकारियों ने 1158 वादों का निस्तारण कर 34206948 (तीन करोड बयालिस लाख छः हजार नौ सौ अड़तालिस रूपये), राजस्य व अन्य विभागों ने 56515000 (पांच करोड पैंसठ लाख पन्द्रह हजार रूपये) जुर्माना वसूला। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर दस से 12 जुलाई तक विशेष लोक अदालत में 52 वादों का निस्तारण किया। अपर जिला जज/सचिव नीलू मेनवाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में 29411 मामलों का निस्तारण कर 90721948 (नौ करोड सात लाख इक्कीस हजार नौ सौ अड़तालिस रूपये) जुर्माना व बैंक ऋण वसूली की गई। लोक अदालत बाद न्यायिक आवास में वृक्षारोपण हुआ।

लोक अदालत में मौजूद जिला जज विकास कुमार प्रथम आदि।

विधायक निधि से बना नाला पहली बारिश में टूटा

ग्रामीणों की शिकायत को जांच अधिकारी ने बताया था गलत

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। पहाड़ी कस्बा स्थित बरेठी रोड मे शांती देवी इंटर से 150 मीटर नवनिर्माण घटिया मानकविहीन विधायक निधि से बना नाला पहली बारिश में टूट गया। मानिकपुर में स्काई ग्लास पुल घटिया निर्माण बाद चंद दिनों में विधायक निधि से नाला की गुणवत्ता की पोल खुल गई।

शनिवार को पुरानी कहावत भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं। पहली बारिश में विधायक निधि से बने नाले की गुणवत्ता की पोल खुल गई। पहले ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि विकास भवन से जांच अधिकारी महेश गुप्ता, आरईएस के जेई जितेंद्र कुमार ने अधिकारियों को गुमराह कर सही आख्या नहीं दी। ग्रामीणों की शिकायत को झूंठा बताया था। ग्रामीण लवलेश यादव, राकेश प्रजापति, धर्मेंद्र कुशवाहा, सुनील, मुन्ना, शीतल कुशवाहा, शांति देवी कुशवाहा ने बताया कि नाला निर्माण पहली बारिश में जगह-जगह टूट गया। घटिया सामग्री का विरोध किया था। क्रेशर डस्ट युक्त कम मात्रा में सीमेंट का प्रयोग हुआ था। घटिया क्वालिटी की ईंट नाला के नीचे लगाई थी। पहली बारिश में विधायक निधि से बना नाला जगह-जगह से टूट गया। ग्रामीणों ने बताया कि हस्ताक्षर करने से मना किया तो ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के अवर अभियंता ने अभद्रता की। ग्रामीणों ने बताया कि बरेठी मोड़ से सुरसेन तक बनाये एफडीआर टेक्नोलॉजी की सड़क जगह-जगह खराब हो गई। जीरो किमी से रोड व नाली निर्माण स्टीमेट में प्रस्तावित था। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने स्टीमेट से हटकर कार्य मनमानी ढंग से कराया है। जल निकासी को खुद के खर्चे से नाला निर्माण दरवाजे में कराया था।

टूटा हुआ नाला।

दहेज की भेंट चढी एक और विवाहिता

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। बांदा जिले के गौरीखानपुर मजरा हरदौली थाना बबेरू के कैलाश पुत्र रसपाल सिंह यादव ने भरतकूप थाने में दी तहरीर में कहा कि पुत्री आरती देवी का विवाह 21 जून 2022 को इटखरी गांव में विकास पुत्र रामनिहोर से किया था। हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया था। दान-दहेज से संतुष्ट न होने पर ससुरालीजनों ने पुत्री की हत्या कर दी है। पुलिस ने मामला दर्जकर विवेचना शुरू कर दी है। शनिवार को थाने में दी तहरीर में कैलाश यादव ने कहा कि पर्याप्त दान-दहेज देने के बाद भी पुत्री के ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे। ससुरालीजन विकास यादव, श्रीमती मैकी, रामनिहोर व विष्णु दहेज में एक लाख रुपये व मोटरबाइक और मांग रहे थे। पुत्री के विरोध पर मारपीट कर मानसिक व शारीरिक प्रताडना देते थे। पुत्री को लिवाने ससुराल गये तो दहेज की मांग किया। इस बाबत रिश्तेदारों को बुलाकर पंचायत भी कराई। ससुरालीजन नहीं माने। नौ जुलाई 2024 को साढे नौ बजे रात ससुरालीजनों ने पुत्री को फांसी पर लटकाकर मार दिया। रात में फोन से घटना की जानकारी दी। दस जुलाई को मायके पक्ष के लोगों को पता चला। पीडित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्जकर विवेचना शुरू कर दी है।

डीआईजी ने बरगढ में समस्या सुन लगाया पौधा

एसपी व एएसपी ने भी सुनी समस्यायें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। डीआईजी बांदा अजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के साथ बरगढ थाना समाधान दिवस पर आये फरियादियों की शिकायतें सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। थाना बरगढ़ परिसर में पौधरोपण किया।

शनिवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र बांदा अजय कुमार सिंह ने बरगढ़ थाने में सलामी लेकर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में समाधान दिवस में आये फरियादियों की शिकायतें सुनी। सम्बन्धित को जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। उनके सामने भूमि विवाद के तीन मामले आये। उन्होंने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जांचकर निस्तारण के निर्देश दिये। डीआईजी व पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में आम का पौधा लगाया। सब लोगों से पेड लगाने की अपील की। पेड की देखरेख को निर्देश दिये। इस मौके पर तहसीलदार मऊ विजय यादव, प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ राकेश मौर्य, पीआरओ प्रवीण सिंह व राजस्व के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में समस्यायें सुनते डीआईजी व एसपी।

इसी क्रम में एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में मऊ थाने में समाधान दिवस में दो शिकायतों का तत्काल निस्तारण हुआ। फरियादियों की शिकायतें सुनकर सम्बन्धित को जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर निस्तारण के निर्देश दिये। इस मौके पर एसडीएम मऊ राकेश कुमार पाठक, प्रभारी निरीक्षक मऊ विनोद कुमार राय, अपराध निरीक्षक अभयराज सिंह, पीआरओ प्रवीण सिंह आदि मौजूद रहे।

थाना रैपुरा में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में रैपुरा व राजापुर में नायब तहसीलदार राजापुर राजू कुमार की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायतें सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। भूमि विवाद के मामलों को पुलिस व राजस्व की टीम को भेजकर निस्तारण के निर्देश दिये। इस मौके पर रैपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक श्यामप्रताप पटेल, राजापुर थाना प्रभारी/दरोगा कन्हैया बक्स सिंह व राजस्व के लोग मौजूद रहे।

टैंकर में पीछे से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली के ब्यूर गांव में बाइक सवार दो युवक सीमेंट लदे टैंकर में पीछे से टकरा गये। दोनों की मौत की सूचना पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ये हादसा शुक्रवार को देर रात हुआ। बताया गया कि जिला मुख्यालय कर्वी के जगदीशगंज के राजीव (25) व खोह के राजू (32) एक ही बाइक से शुक्रवार देर रात शादी में शामिल होने राजापुर जा रहे थे। ब्यूर गांव के पास झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर आगे चल रहे टैंकर से टकरा गई। दोनो बाइक समेत गिरकर घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया।

बारात ले जा रही बस कार बचाने के फेर में पलटी, 25 घायल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अकबरपुर मोड़ पर बारातियों से भरी बस कार को बचाने के प्रयास में टकराकर पलट गई। हादसे में 25 लोग घायल हुए। 15 मामूली रूप से चोटहिल हुए। सभी घायलों को सीएचसी शिवरामपुर में भर्ती कराया है।

शुक्रवार देर रात बारातियों से भरी बस का अगला टायर पंचर होने से सामने से आ रही कार से टकरा कर पलट गई। ये बारात बांदा के कालिंजर से कर्वी कोतवाली के मवई गांव में बुद्धिलाल प्रजापति के घर आ रही थी। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घायलों में जितेंद्र, राजेश, शीलू, अतुल, शिवशरण, प्रदीप, सुभाष, सुरेश, विष्णु, जगदीश, लालाराम, सुरेश, सुभाष, आशीष, इंद्र कुमार, विनोद आदि हैं। सभी घायलों को इलाज बाद घर भेजा है। दस घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती किया है। भरतकूप थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि कोई जनहानि नहीं हुई। रास्ता भी बाधित नहीं है। घायलों को इलाज बाद घर भेजा है।

पलटी बस।

18 घायल, दो भर्तीः एसडीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एसडीएम सदर सौरभ यादव ने बताया कि 12 जुलाई को भरतकूप कस्बे में मिनी बस यूपी 90टी-1400 का टायर फटने से बेकाबू होकर कार से टकरा गई। कार यूपी 90एडी-0569 से टकराकर गड्ढे में पलट गई। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से निकालकर एम्बुलेंस से सीएचसी भांगा में भर्ती कराया। 18 लोग घायल हुए हैं। 14 को सीएचसी भांगा में इलाज बाद घर भेजा है। चार घायल प्रीतम पुत्र श्रीपाल ढेढी नयागांव मप्र, धनीराम पुत्र बौरा पुरैनिया थाना कालिंजर बांदा, रामआसरे पुत्र दौवा कुम्हापुरवा बदौसा अतर्रा व अमन वर्मा अतर्रा को जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रीतम व रामआसरे का इलाज चल रहा है।

जिले में बिना मान्यता के धडल्ले से चल रहे विद्यालय

महंगी शिक्षा से अभिभावक परेशान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में शहर व ग्रामीण क्षेत्र में बिना मान्यता के तमाम विद्यालय धड़ल्ले से चल रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के ध्यान न देने से शिक्षा में सुधार नहीं हो रहा। सुधार की तमाम कवायदों के बाद हाल ये हैं कि अभिभावकों को बच्चे की पढाई बीच में छुड़वानी पडती है।

शनिवार को स्कूलों की दशा का खुलासा हुआ। बताया गया कि जब किसी राज्य में संसाधनों की कमी न हो, बढ़ती महंगी शिक्षा से तमाम बच्चे स्कूली पढ़ाई बीच में छोड़ रहे हों, ये सोचने की जरूरत है कि नीतियां बनाने व अमल में लाने के तौर-तरीकों में खामी है। आम आदमी बच्चों को शिक्षा दिलाने को कितने पापड़ बेलता है, ये वही जनता है। सैलरी बढ़ती नहीं, खर्चे बढ़ते जाते हैं। शिक्षा बहुत महंगी होती जा रही है। स्कूल प्रबंधक हर साल फीस बढ़ाते हैं। आम जनता का जीना मुहाल है। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया जाता। बेचारा अभिभावक बच्चों के भविष्य को कर्जकर पढाता है। नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ जाती है। स्कूलों की फीस के साथ डेवलपमेंट फीस भरनी पडती है। कॉपी-किताब के सेट इतने महंगे हैं कि खरीदने में अभिभावकों के पसीने निकल जाते हैं। निजी स्कूलों में तो पहली से लेकर आठवीं तक की किताबों का सेट तीन से आठ-दस हजार रुपये का पड़ता है। सरकार व प्रशासन तथा शिक्षा विभाग इस लूट में चुप्पी साधे है।

स्कूल जाते बच्चे।

पिकअप को डम्फर ने मारी ठोकर, चार घायल

मऊ/चित्रकूट। थाना क्षेत्र के अरवारी मोड पर पिकअप को डम्फर ने ठोकर मार दी। ठोकर से रोहित तिवारी पुत्र राज किशोर छीबो रामनगर व करन सिंह पुत्र ननका सिंह छीबो रामनगर घायल हो गये। भाई राहुल तिवारी घायलों को निजी वाहन से शंकरगढ़ अस्पताल ले गया। घायलों में मुकेश सिंह पुत्र मनिराज सिंह व मुन्ना प्रसाद त्रिपाठी पुत्र रामभवन त्रिपाठी छीबो रामनगर शामिल हैं। ये घटना शुक्रवार की देर रात दस बजे हुई।

फिर गरमाया लक्ष्मणपुरी का विवादित मामला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली के लक्ष्मणपुरी वार्ड चार के सदस्य पवन कुमार बद्री समेत मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि मोहल्ले में विवादित स्थल 912 कर्वी सरकार सैकडों वर्षों से खाली पडी सरकारी भूमि पर होलिका दहन आदि वैवाहिक व धार्मिक कार्य करती चली आ रही है। 2012 से 17 के बीच सपा सरकार में प्रशासनिक दबाव में जबरियां दलित बस्ती की भूमि पर अवैध चहारदीवारी बनाकर कब्रिस्तान घोषित कर दिया।

शनिवार को मोहल्लेवासियों ने बताया कि सपा सरकार के दबाव में खाली भूमि पर चहारदीवारी बनाने का विरोध जताया गया था। कब्रिस्तान घोषित होने पर वहां सडी-गली लावारिश लाशें उनके अराध्य पीपल वृक्ष के नीचे दफनाई जाती हैं। उनकी भावनाओं को ठेंस पहुंचती है। दलित समाज में मंडलायुक्त बांदा के यहां 2017 में वाद दाखिल किया। 14 नवम्बर 2023 को उन्हें कमिश्नर ने राहत देते हुए निर्देश दिये कि अवैध कब्रिस्तान के 2005 के आदेश को निरस्त कर एसडीएम कोर्ट को वापस भेजा। दोनों पक्षों को समुचित सुनवाई का मौका दिया।

सनातनी हिन्दू पक्ष से वादी व पवन कुमार बद्री व मोहल्लेवासियों ने डेढ सौ वर्षों से चली आ रही परम्परा होलिका दहन को संकल्पित हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने होलिका दहन की अनुमति नहीं दी। दलित समाज व मोहल्लेवासियों में आक्रोश है। जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को धारा 145 की कार्यवाही के आदेश जारी कर विवादित स्थल को निस्तारण तक दोनों पक्षों को कोई नया निर्माण या धार्मिक कार्य न करने के निर्देश दिये हैं। अनुपालन को कोतवाली कर्वी को आदेश भेजा गया है। दूसरे पक्ष के लोग आदेश का उल्लंघन करने पर उतारू हैं। लोक शान्ति भंग होने की आशंका है। संवेदनशील मामले में गम्भीरता न दिखाई तो माहौल बिगड सकता है।

शिवरामपुर पुलिस ने जिला बदर दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में चैकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने जिला बदर अपराधी अंगद उर्फ योगेश पुत्र बद्री प्रसाद निवासी ठर्री शिवरामपुर को गिरफ्तार किया है। उसने जिलाधिकारी के जिला बदर आदेश का उल्लंघन किया है। उस पर गुण्डा एक्ट दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी व सिपाही श्यामू शामिल रहे।

पुलिस गिरफ्त में जिला बदर।

सरकारी कार्य में दखल का वांछित दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में दरोगा राहुल पाण्डेय ने सरकारी कार्य में दखल, व मारपीट, गाली-गलौज तथा खनिज अधिनियम के वांछित छोटू उर्फ आर्यन खान पुत्र पप्पू खान पुरानी बाजार कर्वी को गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा राहुल पाण्डेय, सिपाही महेन्द्र सिंह शामिल रहे।

बरुआ सम्पर्क मार्ग का कीचड लोनिवि ने कराया साफ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बरुआ सम्पर्क मार्ग में क्षेत्रीय लोगों की समस्याओं का संज्ञान लेकर लोनिवि के अधिकारियों ने बरुआ संपर्क मार्ग में कार्य शुरू कराया। लोनिवि ने बरुआ संपर्क मार्ग पर जेसीबी लगाकर सवेरे से कीचड़ साफ कराया।

शनिवार को बरुआ सम्पर्क मार्ग में फैले भारी कीचड को लोनिवि ने साफ कराया। मार्ग निर्माण कार्य शुरू कराया। बरुआ गांव से तीरमऊ मोड़ तक कार्य होगा। शेष निर्माण कार्य बारिश बाद होने की उम्मीद है। जिला पंचायत सदस्य उमाकांत त्रिपाठी व पूर्व जिला पंचायत सदस्य सिद्धार्थ पाण्डेय ने बरुआ सम्पर्क मार्ग में फैले कीचड की समस्या उठाई थी। दोनों की मेहनत से लोनिवि अधिकारियों ने बरुआ सम्पर्क मार्ग की समस्या के निदान को पहल कर रहे हैं।

कीचड साफ करती जेसीबी।

नेपाल में केपी शर्मा ओली ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

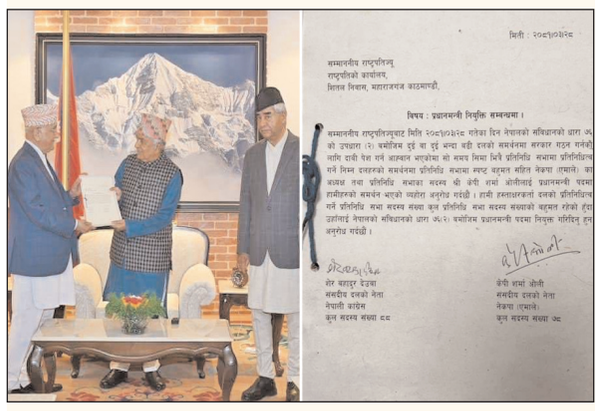

काठमांडू। प्रचंड सरकार के संसद में विश्वास मत में पराजित होने के बाद नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। ताजा राजनीतिक हलचल के बीच देररात केपी शर्मा ओली राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचे और राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिले। इस दौरान उन्होंने सरकार गठन करने का दावा पेश किया। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान में तीन दिन के भीतर नई सरकार के गठन का आह्वान किया गया है।

ओली नेपाली कांग्रेस के समर्थन पत्र सहित पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा के साथ राष्ट्रपति से मिले। केपी शर्मा ओली को नेपाली कांग्रेस के अलावा कई छोटे दलों का भी समर्थन मिला है। 275 सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा में नेपाली कांग्रेस के 89 और एमाले के 78 सांसद के साथ ही बहुमत पहुंच जाता है। ओली को राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के 14, जसपा के 12, जनमत के 6, लोसपा के 4 , उन्मुक्ति पार्टी के 4 सांसदों का समर्थन हासिल है।

हमास डिप्टी कमांडर शोवाडेह की मौत के साथ इजरायल का मिशन पूरा

गाजा : इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले की साजिश रचने में शामिल हमास का एक वरिष्ठ कमांडर गाजा शहर पर इजरायली हवाई हमले में मारा गया. इजरायल रक्षा बलों की ओर से ये बात कही गई है. कऊऋ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मारे गए कमांडर का नाम अयमान शोवाडेह है, फिलहाल वो हमास की शेजैया बटालियन का डिप्टी कमांडर था और पहले हमास के संचालन मुख्यालय में एक प्रमुख ऑपरेटिव था। शेजैया मिशन : बयान के अनुसार, शोवाडेह ने इजरायली सैनिकों के खिलाफ कई हमलों का संचालन किया था. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेना ने दावा किया कि यह व्यक्ति शहर के शेजैया में हाल ही में आईडीएफ अभियानों में मारे गए 150 से अधिक "आतंकवादियों" में से एक था. इजरायली सेना ने सक्रिय "आतंकवादियों" और उनके बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए लगभग दो सप्ताह तक शेजैया को निशाना बनाया. सेना ने घोषणा की कि उसने शेजैया में मिशन पूरा कर लिया है।

उधर, वेस्ट बैंक के शहर रामल्लाह के पास अबवीन गांव में एक छापे के दौरान इजरायली सेना ने एक युवा फिलिस्तीनी की हत्या कर दी. फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने शुक्रवार को एक बयान में मृतक की पहचान बताए बिना कहा , "हमारे दल ने सिर में गंभीर चोट लगने वाले 26 वर्षीय व्यक्ति को गांव से बाहर निकाला।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार बयान में कहा गया है कि घायल युवक की अस्पताल में मौत हो गई. स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इजरायली बलों ने गांव में धावा बोला, गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें युवक घायल हो गया. इस घटना पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है. संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 की शुरूआत में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में इजरायली सेना ने 550 से अधिक फिलिस्तीनियों की हत्या की है.

इजरायल में में बढ़ा इस बीमारी का प्रकोप, मई से अब तक मरने वालों की संख्या हुई 31

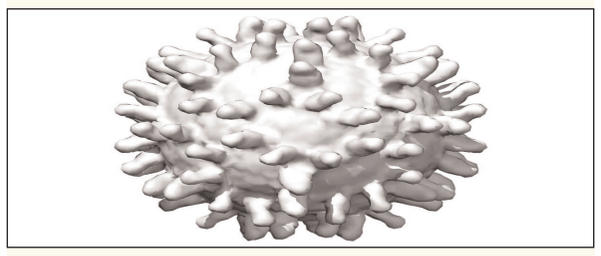

यरूशलम : इजरायल में वेस्ट नाइल बुखार का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है. देश में इस बुखार से 12 लोगों की मौत की खबर सामने आई है. इसी के साथ मई की शुरूआत से अब तक मरने वालों की संख्या 31 हो गई है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को 49 नए संक्रमण मामलों की सूचना दी. इसी के साथ देश में कुल मामलों की संख्या 405 हो गई, जो कि साल 2000 में 425 मामलों के वार्षिक रिकॉर्ड के करीब है। मंत्रालय ने इस बढ़ते रोग का कारण क्षेत्र में गर्म और ज्यादा आर्द्र मौसम को बताया है. यह मौसम मच्छरों के लिए अनुकूल है. मच्छर पक्षियों को काटते हैं, जिसके बाद ये इंसानों में वायरस फैलाते हैं. इजरायल की एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार, संक्रमित लोगों में से ज्यादातर बुजुर्ग शामिल हैं, जबकि बच्चों में भी इस वायरस का संक्रमण पाया गया है. अधिकांश लोगों में संक्रमणों में सर्दी के कोई लक्षण नहीं या हल्के लक्षण दिखाई देते हैं. लेकिन कभी-कभी कुछ लोगों में गंभीर बीमारियां हो जाती हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

नेपाल में नदी में डूबे दो बस और 65 यात्रियों को ढूंढने के लिए वाटर ड्रोन व सोनार कैमरे का प्रयोग

काठमांडू। नेपाल में भूस्खलन की चपेट में आकर तेज बहाव वाले त्रिशुली नदी में दो यात्री बस के डूबने के 32 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। शनिवार सुबह से एक बार फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। शुक्रवार को दिनभर की मशक्कत के बाद भी जब दोनों बसों और लापता 65 यात्रियों का कोई पता नहीं लग पाया तो आज से रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए नई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। यह हादसा चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल क्षेत्र में हुआ।

रेस्क्यू ऑपरेशन की कमान संभाल रहे सशस्त्र प्रहरी बल रेस्क्यू टीम के डीआईजी पुरुषोत्तम थापा ने

मीडियाकर्मियों को बताया कि आज के रेस्क्यू ऑपरेशन में वाटर ड्रोन और सोनार कैमरे का प्रयोग किया जा रहा है। पानी के भीतर प्रयोग किए जाने वाले वाटर ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन के सहारे नदी की गहराइयों तक तो पहुंचा ही जा सकता है साथ ही काफी दूर तक भी ढूंढा जा सकता है। बसों और लापता यात्रियों को ढूंढने के लिए सोनार कैमरे का प्रयोग किया जा रहा है। मोटरबोट के नीचे इस कैमरे को लगाकर पानी में उतारा गया है ताकि पानी के नीचे तक की चीजें बोट पर बैठे रेस्क्यू टीम को स्क्रीन पर दिख जाएं। रेस्क्यू टीम को उम्मीद है कि वाटर ड्रोन और सोनार कैमरे के प्रयोग से बस और यात्रियों का पता लग सकता है।

आज के रेस्क्यू ऑपरेशन में वाटर ड्रोन के अलावा फिर से गोताखर को भी पानी के भीतर उतारा गया है। नेपाली सेना और सशस्त्र प्रहरी बल के 15 गोताखोरों को नदी में उतारा गया है। इसके अलावा डिजास्टर मैनेजमेंट की एक्सपर्ट टीम को भी इस काम में लगाया गया है। रेस्क्यू टीम में नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के 150 सदस्य हैं।

नेपाल में हादसा स्थल से 154 किमी दूर मिले दो शव

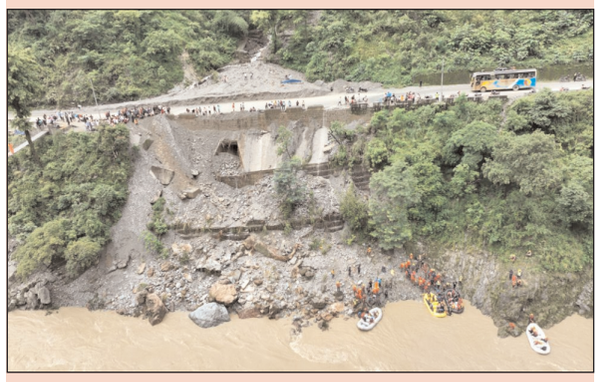

काठमांडू। नेपाल के त्रिशुली नदी में दो यात्री बसों के गिरने के स्थान से 154 किलोमीटर दूर नवलपरासी जिले के गैंडाकोट में दो शव मिले हैं। दुर्घटना के 73 घंटों के बाद काफी दूर इन दोनों शवों की बरामदगी हो पाई है। रेस्क्यू टीम की तरफ से बताया गया है कि दोनों यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने के स्थान से करीब 154 किलोमीटर दूर नवलपरासी जिले के गैंडाकोट में नदी तट पर दो शव बरामद हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि नदी किनारे बालू में धंसे दो शव मिले। दोनों शवों को चितवन जिला भेजा गया है ताकि उनकी पहचान हो सके। चितवन जिले के प्रमुख जिलाधिकारी इन्द्रदेव यादव ने बताया कि शवों को चितवन लाकर उनकी तस्वीर को बीरगंज और गौर भेजा गया है ताकि उनकी पहचान हो सके। जिलाधिकारी ने बताया कि बसों को ढूंढने के लिए कल से बडे.चुम्बक का प्रयोग किया जाएगा।

इससे पहले एक शव दोपहर करीब 11 बजे बरामद हुआ था। दुर्घटनास्थल से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर मिले इस शव की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद एपीएफ के डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने बताया कि शव के पैंट के पॉकेट से भारतीय बैंक का एटीएम कार्ड और आधार कार्ड मिला है। आधार कार्ड पर उसका नाम ऋषिपाल साह अंकित है। थापा ने बताया कि लापता बाकी यात्रियों को ढूंढने के लिए वाटर ड्रोन, सोनार कैमरे के अलावा वाटर पाईपलाइन इंस्पेक्शन सिस्टम का भी प्रयोग किया जा रहा है।

नेपाल: दुर्घटनास्थल से 50 किमी दूर मिला पहला शव, भारतीय नागरिक होने की पुष्टि

काठमांडू। दो बसों के नदी में गिरने के स्थान से 50 किमी दूर शनिवार को पहला शव मिला है। दुर्घटना के 32 घंटे के बाद रेस्क्यू टीम को यह सफलता मिली है। जिस स्थान पर शव मिला है, अब रेस्क्यू ऑपरेशन को वहीं आसपास केन्द्रित किया जा रहा है।

रेस्क्यू टीम की तरफ से बताया गया कि दोनों बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने के स्थान से 50 किलोमीटर दूर नारायणी नदी में पहला शव बरामद हुआ है। शव की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद एपीएफ के डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने बताया कि शव की पैंट के पॉकेट से भारतीय बैंक का एटीएम कार्ड और आधारकार्ड मिला है। आधारकार्ड पर उसका नाम ऋषिपाल साह अंकित है।

चितवन जिला के एपीएफ डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने बताया कि सबसे पहले यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद शव इन दोनों बसों में से किसी यात्री की है या नहीं। इसके लिए दुर्घटनाग्रस्त बस संचालक से पता लगाया जा रहा है। थापा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में वाटर ड्रोन, सोनार कैमरे के अलावा वाटर पाइप लाइन इंस्पेक्शन सिस्टम का भी प्रयोग किया जा रहा है।

केन्या में पुलिस स्टेशन के पास कचरे में 9 शव

केन्या की राजधानी नैरोबी में एक पुलिस स्टेशन के बगल में नौ शव मिले हैं. केन्या में जून में टैक्स के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए. क्या प्रदर्शन के दौरान लापता हुए लोग पुलिस की बर्बरता का शिकार बने, इसकी जांच हो रही है।

केन्या की स्वतंत्र पुलिस ओवरसाइट अथॉरिटी (आईपीओए) की मेज पर ऐसी कई शिकायतें हैं, जिनमें कहा गया है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कई लोगों को गैरकानूनी तरीके से अगवा किया गया और हत्याएं भी की गईं. इस बीच देश की राजधानी नैरोबी के बाहरी इलाके में सात महिलाओं और दो पुरुषों के शव मिले हैं. शहर के मुकुरू इलाके के डंपिंग जोन में मिले ये शव छिन्न भिन्न हैं।

आईपीओए के बयान के मुताबिक, "शवों को बोरे में लपेटा गया था और नाइलॉन की रस्सी से बांधा गया था. शवों पर यातना और धारदार हथियार से वार के साफ चिह्न मौजूद हैं." पुलिस ओवरसाइट अथॉरिटी ने स्वीकार किया है कि, "एक पुलिस स्टेशन से डंप साइट की दूरी 100 मीटर से भी कम है."

सरकारी अभियोजन विभाग ने भी पुलिस स्टेशन के बगल में शव मिलने पर गहरी निराशा जताई है. विभाग ने आशंका जताते हुए कहा, "यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन की ओर इशारा" करता है. केन्या की पुलिस पर इस तरह के आरोप पहले भी लग चुके हैं।

आईपीओए का कहना है कि वह इस बात की जांच करेगी कि क्या इन हत्याओं में पुलिस का हाथ है या फिर पुलिस इन मौतों को टालने में असफल रही. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

केन्या में शांत प्रदर्शन कैसे उग्र हो गए

1963 में ब्रिटेन से आजाद हुए केन्या को अफ्रीकी महाद्वीप का सबसे सफल लोकतांत्रिक देश कहा जाता है. जून में केन्या सरकार के नए फाइनेंस बिल के खिलाफ देश में प्रदर्शन शुरू हुए. बिल में टैक्स बढ़ाने के कुछ प्रस्तावों का सबसे ज्यादा विरोध युवा कर रहे थे. सोशल मीडिया पर #RejectFinanceBill2024 ट्रेंड करने लगा. प्रदर्शनों के बीच सरकार ने बिल में बदलाव किया और कुछ विवादित प्रस्ताव हटा दिए. इसके बाद 24 घंटे के भीतर 19 जून को बिल फिर पेश कर दिया।

इससे नाराज लोग सड़कों पर उतर आए. 20 जून को सुरक्षा एजेंसियों ने राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे. इस दौरान दो लोग मारे गए और करीब 200 लोग घायल हुए. आरोप है कि सुरक्षा कर्मियों ने बड़ी संख्या में लोगों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में भी लिया. 25 जून को बिल पास होने के बाद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने केन्या की संसद पर धावा बोल दिया. इस दौरान संसद के एक हिस्से में आग भी लगा दी ग

सरकार के पैसे से चलने वाली केन्या के नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स ने अपने बयान में कहा है, "हमारे रिकॉर्ड्स का डाटा यह इशारा करता है कि देश भर में हुए प्रदर्शनों में 39 लोगों की मौत हुई है और 361 लोग घायल हुए हैं." यह आंकड़े 18 जून से एक जुलाई 2024 के बीच के हैं. बयान में यह भी कहा गया है कि संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने के 32 मामले सामने आए हैं और गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों की संख्या 627 है.

राष्ट्रपति के इस्तीफे पर अड़े प्रदर्शनकारी

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुतो ने पहले प्रदर्शनकारियों को "राष्ट्रद्रोही" करार दिया. संसद पर हमले के बाद उन्होंने पुलिस के साथ सेना को भी तैनात कर दिया. प्रदर्शनकारियों की मौत और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच 26 जून को रुतो ने एलान किया कि वह बिल पर दस्तखत नहीं करेंगे. इसी दौरान हाई कोर्ट ने भी पुलिस को आदेश दिया कि वह फाइनेंस बिल का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस, रबर की गोलियां, पानी की बौछार और जिंदा बारूद का इस्तेमाल न करे.

12 जुलाई को रुतो ने उप प्रधानमंत्री के अलावा अपने बाकी मंत्रिमंडल को भंग कर दिया. कैबिनेट के कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं. इस बीच पुलिस चीफ जेफेथ कूमे भी पद से इस्तीफा दे चुके हैं. प्रदर्शनकारी रुतो से इस्तीफा मांग रहे हैं.

5.5 करोड़ की आबादी वाला केन्या, यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से आर्थिक संकट और भयानक महंगाई से जूझ रहा है. देश में 18 से 34 साल के युवाओं में बेरोजगारी दर करीबन 40 फीसदी है. हाईवे पर मुर्गी बेचकर राजनीति के गलियारों तक पहुंचे, रुतो आर्थिक विकास का नारा देकर 2022 में राष्ट्रपति बने, लेकिन पिछले कई महीनों से उनकी लोकप्रियता लगातार जमीन पर रेंग रही है.

नाइजीरिया में दोमंजिला स्कूल का बड़ा हिस्सा गिरा,22 की मौत, 132 घायल

अबुजा (नाइजीरिया)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया में सेंट अकादमी स्कूल की दोमंजिला इमारत का बड़ा हिस्सा ढहने से 22 विद्यार्थियों की मौत हो गई और 132 घायल हो गए। यह हादसा उत्तर-मध्य नाइजीरिया के पठार राज्य की राजधानी जोस में शुक्रवार सुबह करीब 9:20 बजे हुआ।

नाइजीरिया के समाचार पत्र नाइजीरियन ट्रिब्यून और द नेशन की रिपोर्ट्स के अनुसार, यह स्कूल बुसा बुजी ब्रिज के सामने स्थित है। त्रासदी के वक्त विद्यार्थी सालाना परीक्षा दे रहे थे। हताहत विद्यार्थियों में 15 साल से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं। घायल बच्चों का इलाज बिंघम टीचिंग अस्पताल में चल रहा है।

इराक में इस्लामिक स्टेट के दो आतंकी मारे गए

बगदाद। इराकी सेना ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वी प्रांत दियाला में इराकी सुरक्षा बलों के साथ झड़प में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के दो आतंकवादी मारे गए।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इराकी संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट, सिक्योरिटी मीडिया सेल के मुताबिक खुफिया सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर सेना ने दियाला प्रांत के एक गांव के एक बाग में दो आतंकवादियों को मार गिराया।

बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों में से एक ने विस्फोटक बेल्ट पहन रखी थी।

बयान के मुताबिक दो आतंकवादियों में से एक अबू अल-हरिथ दियाला की प्रांतीय राजधानी बाकूबा के दक्षिण में खान बानी साद क्षेत्र में आईएस का स्थानीय नेता था।

US में लापता मराठी युवक के परिवार ने लगाई सरकार और वाणिज्य दूतावास से मदद की गुहार

वाशिंगटन डीसी: अमेरिका के मोंटाना ग्लेशियर नेशनल पार्क की यात्रा करने के दौरान सिद्धांत विट्ठल पाटिल लापता हो गये हैं. अब पाटिल के परिवार ने भारतीय सरकार से उनके बारे में अधिक जानकारी जुटाने में भारत सरकार से मदद मांगी है. जानकारी के मुताबिक, सैन जोस में काम करने वाले पाटिल ग्लेशियर पार्क की यात्रा पर गए थे, जब उनके लापता होने की सूचना मिली।

पुणे में पाटिल के मामा प्रीतेश चौधरी ने कहा कि उन्होंने सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास को सिद्धांत के अंतिम स्थान का अपडेट भेजा था. दूतावास ने जानकारी दी कि सिद्धांत विट्ठल पाटिल को 'मृत माना जा रहा है'. मामा का कहना है कि उन्होंने दूतावास को सारी जानकारी दे दी है. उन्होंने कहा कि सिद्धांत के माता-पिता सदमे में हैं. मैं सिएटल में भारतीय दूतावास के साथ समन्वय कर रहा हूं. मैंने उनके एप्पल वॉच और मोबाइल फोन से प्राप्त उनके अंतिम स्थान के अपडेट दूतावास के साथ साझा किए. उनके दोस्त से भी बात की। चौधरी ने कहा कि उन्होंने दूतावास

से मामले की गहन जांच करने का अनुरोध किया है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है. उन्होंने कहा कि मैं यह देखकर असहाय महसूस कर रहा हूं कि मेल में कहा गया है कि सिद्धांत की मौत हो गई है. मुझे एक एनजीओ कार्यकर्ता के बारे में पता चला है और वह मेरी यथासंभव मदद कर रहा है।

चौधरी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले को अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि उन्हें अभी भी उम्मीद है कि सिद्धांत जीवित है. उन्होंने कहा कि एप्पल ने सिद्धांत के फोन पर सभी टेक्स्ट मैसेज भेजे हैं, लेकिन वे एन्क्रिप्टेड हैं. हमने दूतावास से अनुरोध किया कि वे इसे डिकोड करने का प्रयास करें, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ.

सैन जोस में कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स में सिद्धांत के नियोक्ता भी अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधि से मामले की जांच करने का आग्रह कर रहे हैं. लेकिन कार्रवाई केवल भारतीय वाणिज्य दूतावास की ओर से ही शुरू की जा सकती है. चौधरी ने कहा कि भारतीय दूतावास ने कहा है कि वे अभी कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि पानी का स्तर बहुत अधिक है और वे ड्रोन से क्षेत्र की जांच कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पानी के कम होने में सप्ताह या महीने लग सकते हैं.

8 जुलाई को अपने आखिरी अपडेट में सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वाणिज्य दूतावास इस मामले पर मोंटाना के गवर्नर के कार्यालय के संपर्क में है. नियमित रूप से मामले की जांच कर रहा है. कल एक खोज अभियान चलाया गया था, जबकि आज नेशनल पार्क रेंजर्स की ओर से खोज और बचाव का एक और दौर फिर से चल रहा है.

वाणिज्य दूतावास इस मामले पर सिद्धांत वी पाटिल के दोस्तों और परिवार को अपडेट रख रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धांत अपने दोस्तों के साथ एवलांच क्रीक गया था. एक बड़ी चट्टान पर अपना संतुलन खोने के बाद वह शायद फिसल गया. वह पानी के नीचे चला गया, कुछ देर के लिए फिर से ऊपर आया और फिर धारा के साथ बहकर खाई में चला गया.